www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 77 || लखनऊ
बुधवार
17 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:11
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 31°00

पेज 07

विशेष समाचार | चिन्ताजनक है महंगी होती... >> पेज 04 | 250 साल पुरानी मजार... >> पेज 06 | 'किसी के साथ सोओगे नहीं तो...

जी7 समिट में साथ में बैठे, 5 मिनट तक बात की, आज ट्रेड डील पर बात संभव

16 महीने बाद डोनाल्ड ट्रम्प से मिले पीएम मोदी

सम्मेलन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/एवियन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी G7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को फ्रांस के एवियन पहुंचे। इस दौरान ग्रुप ऑफ सेवन देशों के प्रमुख और गेस्ट कंट्रीज के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक हुई। जिसमें पीएम मोदी और यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात हुई। ट्रम्प और मोदी ने करीब 5 मिनट तक बात की। मीटिंग में दोनों एक-साथ बैठे नजर आए। 16 महीनों बाद मोदी और ट्रम्प की मुलाकात हुई। इससे पहले दोनों की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में व्हाइट हाउस में हुई थी। दोनों नेता कल शाम 6:30 बजे ट्रेड डील पर चर्चा कर सकते हैं। मोदी और ट्रम्प के बीच भारत-अमेरिका ट्रेड डील, टैरिफ, निवेश और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी बातचीत होने की संभावना है। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को 52वें G7 शिखर सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

जी7 समिट में 12 देशों के नेता हिस्सा ले रहे

जी7 समिट में इसके सदस्य देशों कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के नेता शामिल होंगे। इसके अलावा यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। फ्रांस ने समिट में जी7 देशों के अलावा कई अन्य देशों के नेताओं को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया है। इनमें शामिल हैं:

- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी
- ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा
- दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग
- केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो

जी7 क्या है, इसमें कौन-कौन से देश हैं?

G7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की 'मॉडर्न इकोनॉमी' वाला देश कहा जाता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं। इसकी शुरुआत 1975 में G6 के रूप में हुई थी। 1976 में कनाडा के जुड़ने के बाद यह G7 बन गया। 1998 में रूस को शामिल कर इसका नाम G8 कर दिया गया, लेकिन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर रूस के कब्जे के बाद उसे समूह से बाहर कर दिया गया। इसके बाद यह फिर से G7 कहलाने लगा।

जी7 का कोई स्थायी कार्यालय नहीं है और इसके सदस्य देश कोई अंतरराष्ट्रीय कानून पारित नहीं कर सकते। जी20 में सबसे बड़ा मुद्दा वर्ल्ड इकोनॉमी होता है, जबकि जी7के लिए राजनीतिक मुद्दे भी अहम होते हैं। 1999 में बने जी20 में जी7 के देशों के अलावा ब्रिक्स के देश भी शामिल हैं।

भारत जी7 में गेस्ट नेशन, पीएम 7वीं बार शामिल होंगे

भारत G7 का सदस्य नहीं है, लेकिन दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था और महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिका के कारण उसे अक्सर विशेष आमंत्रित देश (गेस्ट नेशन) के रूप में बुलाया जाता है। आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री को समिट का न्यौता मिलता है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2005 से 2013 के बीच पांच बार G7 (पहले G8) समिट में हिस्सा लिया था। PM मोदी को पहली बार 2019 में फ्रांस के बियारिट्ज में आयोजित G7 समिट में आमंत्रित किया गया था। 2020 में अमेरिका को मेजबानी करनी थी, लेकिन उसने तब समिट रद्द कर दी। इसके बाद 2021 में ब्रिटेन की मेजबानी में आयोजित सम्मेलन में PM मोदी वर्चुअली शामिल हुए। इसके अलावा मोदी 2022 में जर्मनी, 2023 में जापान, 2024 में इटली और 2025 में कनाडा में आयोजित G7 समिट में शामिल हुए।

टीएमसी के दोनों गुटों का पक्ष सुनेंगे स्पीकर

कोलकाता/नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग ग्रुप के तौर पर मान्यता देने की मांग की है। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद फैसला करेंगे। PTI के मुताबिक, स्पीकर कार्यालय ने ममता बनर्जी खेमे के सांसदों को भी ईमेल भेजकर बैठक के लिए बुलाया है। दोनों पक्षों से बात करने के बाद ही फैसला होगा। यह फैसला संसद के मानसून सत्र से पहले आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर इस मामले में कानून मंत्रालय की राय भी ले सकते हैं। यह राय इसलिए ली जा रही है, ताकि स्पीकर का फैसला अदालत में चुनौती मिलने पर भी कानूनी जांच में टिक सके। रविवार को TMC के 20 बागी सांसदों में से 17 ने स्पीकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था और अपने गुट के नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय की जानकारी दी थी।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट की अटकलें

शिंदे गुट के एमएलसी का दावा- हमारे संपर्क में 7 सांसद

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (शिंदे गुट) के MLC कृपाल तुमाने ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के 7 सांसद उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत पिछले एक महीने से चर्चा चल रही है। अब अंतिम चरण में है। मानसून सत्र से पहले ये सांसद शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स से मुताबिक, इस बीच 14 जून को उद्धव ठाकरे ने अपने सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा था कि अगर कोई पार्टी छोड़ना चाहता है तो उसे रोका नहीं जाएगा। वे खुशी-खुशी जाएं। उद्धव ने 2022 में हुई शिवसेना की टूट का जिक्र करते हुए कहा था- उस समय भी मुझे बगावत की जानकारी थी, लेकिन मैंने किसी पर दबाव नहीं बनाया। यवतमाल-वाशिम सीट से शिवसेना (UBT) सांसद संजय देशमुख ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव से दिल्ली में मुलाकात की। देशमुख ने रविवार की बैठक में पारिवारिक कारणों का हवाला देकर व्यक्तिगत रूप से हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि PTI से बातचीत में राउत ने कहा कि इस मुलाकात को लेकर गलत तस्वीर पेश की जा रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं मिलेगा कोई भी सिरप

स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला, एमपी में कई बच्चों की हुई थी दर्दनाक मौत

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कफ सिरप अब बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदे जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने ड्रग्स नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत सिरप को अब उस लिस्ट से हटा दिया गया है, जिसमें दवाएं सीधे दुकान से खरीदी जा सकती हैं। सरकार का कहना है कि इससे सिरप आधारित दवाओं पर निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत होगा।

साथ ही सिरप निर्माता और विक्रेता को लाइसेंसिंग और क्वालिटी

कंट्रोल से जुड़े सख्त नियमों का पालन करना ही होगा।

मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से पहले 29 दिसंबर 2025 को मसौदा अधिसूचना जारी कर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी गई थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

2023-24 में हुए प्रमुख बदलाव

- कफ सिरप के निर्यात से पहले क्वालिटी टेस्ट अनिवार्य किया गया।
- दवा निर्माण इकाइयों के लिए संशोधित GMP मानक लागू किए गए।
- गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाली कई दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई हुई।
- राज्यों और केंद्र के ड्रग कंट्रोल विभागों के संयुक्त निरीक्षण बढ़ाए गए।

फास्ट न्यूज

आधार कार्ड का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के लिए हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता, याचिका में मांग की गई है कि इसके इस्तेमाल को सिर्फ पहचान की पुष्टि (आइडेंटिटी वेरिफिकेशन) तक ही सीमित रखने के निर्देश दिए जाएं।

गुरुग्राम की सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मसूरी में न्यूड डेडबॉडी मिली

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में IT कंपनी में काम करने वाली महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर का नग्न शव उत्तराखंड के मसूरी के होटल के कमरे में मिला। कमरे में खून के निशान, शराब की बोतलें और सेक्स पावर की दवाओं के रैपर मिले हैं। 27 साल की इंजीनियर पी. राधा गायत्री मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम की रहने वाली थीं। आठ महीने पहले उनकी शादी सौम्या श्रीचरण से हुई थी। वह पुणे की एक आईटी कंपनी में काम करते हैं।

अब ममता के करीबी सौमित्र पर अंडे फेंके गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में TMC के नेताओं पर अंडे फेंके जाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। मंगलवार को ममता के एक और करीबी तृणमूल युवा नेता सौमित्र बनर्जी पर अंडों से हमला हुआ। पुलिस सौमित्र को रानीगंज कोर्ट ले जा रही थी। कुछ लोगों ने उन्हें पीटा भी। इसके बाद पुलिस ने बनर्जी को सुरक्षित कोर्ट पहुंचाया।

आरएसएस के लोगों ने हमला किया: दीपके

जो उनके खिलाफ, उसका यही अंजाम, कॉकरोच पार्टी के 2 लाख फॉलोअर्स घटे

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नागपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जयपुर में उन पर हुए हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS के लोगों का हाथ था। अभी दीपके नागपुर में है। यहां 4 बजे संविधान चौक पर पार्टी का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा- 'जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है, तो ऐसा ही होता है। इसमें कुछ नया नहीं है।' कल यानी 15 जून को कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में

शामिल युवकों ने दीपके को थप्पड़ मारे थे। वहीं, CJP के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 16 जून को पार्टी के इंस्टाग्राम पर 2.25 करोड़ फॉलोअर्स हैं। 6 जून को दिल्ली में CJP के पहले प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम पर 2.21 करोड़ फॉलोअर्स थे। अगले दिन 7 जून को 24 घंटे के भीतर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स हो गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

ममता चुनावी हार के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं

कहा- काउंटिंग सेंटर में पीटा, बाहर निकाला, भवानीपुर में शुभेंदु से 15,105 वोट से हारी थीं

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है। ममता मंगलवार को खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने याचिका में कहा कि चुनाव गलत तरीके से हुआ है। 12 राउंड की काउंटिंग के बाद इलेक्शन एजेंट और मुझे पीटा गया और बाहर कर दिया गया। भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन

बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे। रिजल्ट से एक दिन पहले 3 मई को काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ था। TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि BJP के झंडे वाली कार को बिना जांच के भवानीपुर के स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। वहीं स्ट्रॉन्गरूम में ममता बनर्जी करीब 4 घंटे रहीं थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ममता बोलीं थीं- मुझे धक्का दिया, मारा-पीटा

4 मई को भी ममता काउंटिंग सेंटर पहुंची थी। कुछ देर वहां रहने के बाद उन्होंने बाहर आकर कहा था कि उनके पोलिंग एजेंट को जबरन बाहर निकाला गया। ममता का आरोप था कि उन्हें धक्का दिया गया और मारा पीटा गया। साथ ही काउंटिंग सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा था।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा था- ममता ड्रामेबाजी कर रहीं

शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं जुड़े आरोप निराधार हैं।

ममता ने आरोप लगाया कि राज्य की कई सीटों पर जानबूझकर मतगणना रोकी गई। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय बलों और भाजपा के दबाव में काम हो रहा है।

भवानीपुर काउंटिंग सेंटर में 3-4 मई का घटनाक्रम

- **3 मई: काउंटिंग से एक दिन पहले**
- ममता बनर्जी भवानीपुर के सरस्वती मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर पहुंचीं। उन्होंने ईवीएम और मतगणना प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका जताई।
- ममता ने कहा कि यदि काउंटिंग में किसी तरह की छेड़छाड़ हुई तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पारदर्शिता और निगरानी की मांग की।
- टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो गाड़ियों को काउंटिंग सेंटर परिसर में प्रवेश करने दिया गया।
- पार्टी का दावा था कि विरोध करने पर केंद्रीय बलों ने कार्यकर्ताओं को पीछे धकेल दिया।
- टीएमसी ने सवाल उठाया कि सुरक्षित क्षेत्र में इन वाहनों को प्रवेश क्यों मिला।
- **4 मई: काउंटिंग के दिन**
- सुबह काउंटिंग शुरू हुई तो पोस्टल बैलेट की गिनती में शुभेंदु अधिकारी आगे थे।
- बाद में कई राउंड तक ममता बनर्जी ने बढ़त बना ली।
- शाम के दौरान कुछ समय के लिए मतगणना रोक दी गई।
- एक व्यक्ति मोबाइल फोन लेकर काउंटिंग सेंटर में पहुंचा, इसलिए काउंटिंग रोकी गई।
- मोबाइल जमा कराने के बाद मतगणना फिर शुरू कर दी गई।
- काउंटिंग पूरी होने पर शुभेंदु अधिकारी ने 15105 वोटों से जीत दर्ज की।

बैन : 21 को परीक्षा, 22 जून तक एप काम नहीं करेगा, मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद

नीट री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने NEET की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। NTA ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69A के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026 तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है। NEET री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने एग्जाम के बाद भी टेलीग्राम को अपना मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है।

पेपर लीक के कारण 3 मई को हुई परीक्षा रद्द हुई

3 मई 2026 को NEET-UG परीक्षा देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर NTA ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया।

यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए मैसेज 30 जून तक एडिट नहीं हो पाएंगे। NTA के मुताबिक कुछ लोग टेलीग्राम का इस्तेमाल परीक्षाओं में पेपर लीक होने के फर्जी सबूत बनाने के लिए करते रहे हैं। ऐसे मामलों को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। NTA ने NEET-UG रीएग्जाम में कुछ बदलाव किए हैं। 12 जून को जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है।

नीट से 1 लाख से ज्यादा मेडिकल कॉलेज में एडमिशन

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET) भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में MBBS, BDS, आयुष (BAMS, BHMS) और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में एडमिशन मिलता है।

12 साल बाद बांग्लादेशी महिला को वापस भेजने की तैयारी

फेसबुक पर मुलाकात के बाद गुजराती युवक से की थी लव-मैरिज, पति बोला- वहां मार डालेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

गुजरात। गुजरात के आणंद शहर में पुलिस ने एक बांग्लादेशी लड़की को गिरफ्तार किया है। काजुली (अब काजल) 12 साल पहले आणंद में रहने वाले तरुण से शादी करने के लिए भारत में दाखिल हुई थी। तरुण और काजल ने शादी कर ली थी। अब इनके दो बेटे भी हैं। हालांकि काजुली ने अवैध रूप से भारत में घुसपैठ की थी। इसीलिए अब उसके वापस बांग्लादेश डिपोर्टेशन की तैयारी की जा रही है। पति ने भारत सरकार से काजुली को नागरिकता देने की गुहार लगाई है। तरुण का कहना है कि काजल अब हिंदू बन चुकी है। ऐसे में न सिर्फ उसका परिवार ही बिखर जाएगा,

बल्कि काजुली को अब उसका परिवार भी नहीं अपनाएगा और कट्टरपंथी उसकी हत्या कर देंगे। आज से 15 साल पहले, आणंद के लम्भवेल गांव के निवासी तरुण पटेल की प्रेम कहानी फेसबुक पर शुरू हुई थी। फेसबुक के जरिए उनकी मुलाकात बांग्लादेश की एक मुस्लिम लड़की काजुली से हुई। धीरे-धीरे पहचान प्यार में बदल गई। काजुली तरुण से शादी करना चाहती थी और इसके लिए उसने बांग्लादेश में पासपोर्ट बनवाने के लिए 13,000 रुपए तक खर्च कर दिए थे, लेकिन एजेंट की धोखाधड़ी के कारण उसे पासपोर्ट नहीं मिल सका। दूसरी ओर, बांग्लादेश में उसके पिता उस पर किसी दूसरे मुस्लिम पुरुष से शादी करने का दबाव डाल रहे थे। इसी के चलते काजुली 2016 में अवैध रूप से सीमा पार कर पश्चिम बंगाल से होते हुए गुजरात पहुंची थी। काजुली ने हिंदू धर्म अपना लिया तरुण से शादी कर ली। अब परिवार में दो बेटे हैं। बड़ा बेटा ध्यान (8 साल) और छोटा बेटा अर्श (2 साल) का है।

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित, वन्दना सिंह बनीं प्रदेश टॉपर

चार लाख से अधिक अभ्यर्थियों को जारी हुई रैंक

शुभकामनाएं

- उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई, राष्ट्र निर्माण में योगदान का किया आह्वान
- 72 जिलों के 1011 केंद्रों पर पारदर्शी और नकलविहीन तरीके से सम्पन्न हुई बी.एड. प्रवेश परीक्षा

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि आज बी.एड. करने वाले छात्रों के लिए हर्ष का दिन है। उन्होंने सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपका ज्ञान, अनुभव और समर्पण आपको अलग पहचान दिलाएगा। उन्होंने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और उसकी टीम को परीक्षा के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के कर-कमलों से मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के पुस्तकालय भवन में उत्तर प्रदेश संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडे, आरएमएल विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एम.के. अग्रवाल उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 के टॉपर्स से उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपतिगण तथा प्रमुख सचिव एवं सचिव द्वारा वीडियो कॉल पर वार्ता कर शुभकामनाएं दी और उनकी भविष्य की योजनाओं को जाना।

तकनीक का हुआ अभूतपूर्व प्रयोग

परीक्षा में हाईटेक कमांड कंट्रोल रूम स्थापित कर ICCC के माध्यम से 72 जिलों के 1011 केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की गई। 22000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और 5651 बायोमेट्रिक्स मशीनें लगाई गईं। Artificial Intelligence और Real Time Biometric Attendance System से सभी अभ्यर्थियों की Face Recognition एवं Finger Print Attendance कराई गई। स्ट्रांग रूम, परीक्षा कक्ष एवं प्रवेश/निकास स्थान की एआई युक्त सीसीटीवी से निगरानी की गई। VoIP आधारित सिस्टम से सभी केंद्रों से रियल टाइम संपर्क स्थापित किया गया। विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को GPS आधारित बॉडी बॉर्न कैमरे दिए गए। परीक्षा के दौरान 04 अभ्यर्थी अनुचित साधन प्रयोग करते पाए गए, जिनका परिणाम निरस्त कर दिया गया।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि परीक्षा में उत्तीर्ण होकर अभ्यर्थियों ने अपने भविष्य की दिशा तय की है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के त्याग और गुरुओं के मार्गदर्शन से ही यह मुकाम हासिल हुआ है। 'गुरु देवो भव, मातृ देवो भव, पितृ देवो भव' की भावना के साथ हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित रहना चाहिए। देशभक्ति केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। समाज ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका ईमानदारी, परिश्रम और समर्पण से पालन करना ही सच्ची देशभक्ति है।

परीक्षा का विवरण

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी को राज्य स्तरीय संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 आयोजित कराने का दायित्व सौंपा गया था। विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 31 मई 2026 को दो पालियों में प्रातः 9.00 से 12.00 बजे तक तथा अपराह्न 2.00 से 5.00 बजे तक प्रदेश के 72 जिलों के 1011 परीक्षा केंद्रों पर पूर्ण शुचिता, पारदर्शिता एवं गोपनीयता के साथ परीक्षा आयोजित कराई गई। बी.एड. प्रवेश परीक्षा में 4,44,958 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 2,72,659 महिलाएं, 1,72,297 पुरुष तथा 2 ट्रांसजेंडर शामिल थे। श्रेणीवार 2,36,272 सामान्य, 1,32,217 अन्य पिछड़ा वर्ग, 72,128 अनुसूचित जाति, 1341 अनुसूचित जनजाति तथा 2448 दिव्यांगजन अभ्यर्थी पंजीकृत थे। प्रथम पाली में 4,00,499 तथा द्वितीय पाली में 4,00,756 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कुल उपस्थिति लगभग 90 प्रतिशत रही। कासगंज एवं पीलीभीत में सबसे अधिक 95 प्रतिशत तथा गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में सबसे कम 84 प्रतिशत उपस्थिति रही।

फास्ट न्यूज

ट्रेन में सीट नहीं मिली तो बोला- बम है

लखनऊ। लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस के रुकते ही उसमें से सभी यात्री उतरकर भागने लगे। तुरंत GRP, RPF और डॉग स्क्वॉड की टीमें ट्रेन के अंदर दाखिल हुईं। कई कोच में जा-जाकर जांच की। मंगलवार को यह घटना इसलिए हुई क्योंकि ट्रेन के अंदर एक युवक ने सीट न मिलने पर अफवाह उड़ा दी थी कि इसमें बम है।

छत से गिरकर डेढ़ साल की मासूम की मौत

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट इलाके में सोमवार शाम एक हादसे में डेढ़ साल मासूम बच्ची की मौत हो गई। गणेशपुर रहमानपुर में दो मंजिला मकान की छत पर खेलते समय बच्ची रेलिंग के गैप से फिसलकर सड़क पर गिर गई। गंभीर रूप से घायल बच्ची को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि बच्ची का जन्म शादी के छह साल बाद हुआ था। मूल रूप से सीतापुर के घूरामऊ बंगला निवासी अतुल शर्मा अपनी पत्नी मंजू और डेढ़ साल बेटी निशा के साथ गणेशपुर रहमानपुर में किराए के मकान में रहते हैं। अतुल मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्री के पास रिवाल्वर मिली

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सोमवार रात एक यात्री के पास से रिवाल्वर और 46 कारतूस बरामद हुए। सुरक्षा जांच के दौरान यह हथियार और कारतूस मिलने के बाद सीआई-एसएफ ने यात्री को हिरासत में ले लिया और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। यात्री की पहचान महोबा जिले के कबरई स्थित खजुरिया निवासी सागर सिंह के रूप में हुई।

महिला किसानों के सशक्तिकरण को मिली नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदान की रु14.16 लाख की वित्तीय स्वीकृति
- महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को मिलेगा स्थायी कृषि और आत्मनिर्भरता का संबल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला किसानों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (MKSP) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 14.16 लाख (रुपये चौदह लाख सोलह हजार सात सौ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत संचालित महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के लिए प्रदान की गयी है। परियोजना के तहत अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने, उन्हें आधुनिक एवं स्थायी खेती से जोड़ने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

जनता दर्शन के दौरान 200 लोगों की फरियाद सुनी, अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए

इलाज और मकान की चिंता छोड़िए : योगी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। चाहे इलाज के लिए आर्थिक मदद की जरूरत हो या मकान की, किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। वे खुद लोगों के बीच पहुंचे, उनके आवेदन लिए और एक-एक शिकायत की जानकारी ली। जनता दर्शन में कुछ लोग मकान की मांग लेकर भी पहुंचे। इस पर सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत हर पात्र व्यक्ति को मकान दिया जा रहा है। किसी भी जरूरतमंद को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

गोशाला में की गोसेवा

जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में गुरु गोरखनाथ और अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। सीएम ने गायों को गुड़, रोटी और हरा चारा खिलाया और उनका दुलार किया।

मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां आए बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट दी, पढ़ाई के बारे में पूछा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस-राजस्व मामलों पर अधिकारियों को निर्देश दिए

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आवास से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़े मामलों में देरी की शिकायत मिलने पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीज का इलाज कराइए और अस्पताल से खर्च का अनुमान (एस्टिमेट) बनवाकर जमा कर दीजिए। सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं, ताकि उन्हें इलाज में परेशानी न हो। जरूरत पड़ने पर विवेकाधीन कोष से भी सहायता दी जाएगी।

सघन प्रवर्तन अभियानों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप प्रदेश में दुर्घटनाओं एवं जनहानि में आई कमी

राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता : दयाशंकर सिंह

> परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रभावी प्रवर्तन एवं लाइसेंस निलम्बन की सख्त कार्यवाही के परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में भारी कमी देखी गई। इसका मुख्य श्रेय विभाग द्वारा ओवर स्पीडिंग और सड़क सुरक्षा मानकों को लेकर चलाए गए सघन चेकिंग अभियान का है।

तमसा संकेत, संवाददाता

- 'जीरो टॉलरेंस' नीति मोटर यान अधिनियम की धारा 19 के तहत 797 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित, 20 पूर्णतः निरस्त किये गये हैं। मई माह में सघन चेकिंग के परिणाम स्वरूप दुर्घटनाएं घटकर 1,004 पर आ गई है। दुर्घटना के मामलों में भी भारी गिरावट दर्ज हुई है।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए चलाए गए सघन प्रवर्तन अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों के बेहद सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा विगत तीन माह (मार्च, अप्रैल एवं मई 2026) की घातक सड़क दुर्घटनाओं और उन पर की गई विभागीय कार्यवाही के आंकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली जनहानि में अभूतपूर्व कमी आई है। यह सफलता ओवर स्पीडिंग पर लगाम कसने और यातायात नियमों के उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध की गई कठोर दंडात्मक कार्यवाही का सीधा परिणाम है। विगत तीन माह (मार्च-मई 2026) में सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में निरंतर कमी दर्ज की गई है।

लापरवाह और दोषी चालकों के विरुद्ध मोटर यान अधिनियम की धारा 19 के तहत सख्त कदम उठाए गए हैं। इसके अतिरिक्त विगत तीन माह में यातायात नियमों के उल्लंघन के कुल 1,246 मामलों में धारा 19 के तहत नोटिस प्रेषित किए गए (मार्च में 434, अप्रैल में 380 और मई में 432)। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस के प्रकरण में कुल 797 दोषी चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए (मार्च- 231, अप्रैल-213, मई 353)। मई माह में सर्वाधिक (353) लाइसेंस निलंबित किए गए, जिसका सीधा और सकारात्मक प्रभाव उसी माह दुर्घटनाओं की भारी कमी (1004) के रूप में परिलक्षित हुआ है।

दुर्घटनाओं एवं जनहानि (मृत्यु) में निरंतर गिरावट देखी जा रही है

परिवहन मंत्री ने बताया कि दुर्घटनाओं एवं जनहानि (मृत्यु) में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। सड़क सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन के चलते विगत तीन माह में घातक दुर्घटनाओं (जिनमें एक या अधिक जनहानि हुई हो) का ग्राफ तेजी से नीचे आया है। मार्च 2026 में प्रदेश में कुल 1,876 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 2,008 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, लेकिन अप्रैल 2026 में सुरक्षा उपायों के चलते आंकड़ों में कमी दर्ज की गई। कुल दुर्घटनाएं घटकर 1,697 और मृतकों की संख्या 1,838 रह गई। इसी प्रकार मई 2026 में सबसे उल्लेखनीय सुधार देखा गया। दुर्घटनाओं की संख्या में भारी गिरावट के साथ दुर्घटनाओं की संख्या 1,004 पर आ गई एवं जनहानि का आंकड़ा भी घटकर 1,111 तक सीमित रह गया।

दिखा मोहर्रम का चांद, 26 जून को मनाया जाएगा आशूरा

जुलूस मार्ग से हटाए गए रूमी गेट के स्टोन पिलर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मोहर्रम का चांद नजर आ गया है। शिया मरकजी चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने बताया कि बुधवार, 17 जून से पहला मोहर्रम होगा। 26 जून को दस मोहर्रम होगी। इसी दिन आशूरा मनाया जाएगा। वहीं सुरक्षा को देखते हुए जुलूस मार्ग से रुमी गेट से स्टोन पिलर हटाए गए हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं से शासन प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात करके मोहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने पर वार्ता किया। इस दौरान धर्म गुरुओं ने छोटा इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा और रूमी गेट समेत विभिन्न इमामबाड़ों पर विशेष सुरक्षा की मांग की। बता दें कि शहर के विभिन्न हिस्सों से मोहर्रम का जुलूस निकलता है। मुख्य रूप से बड़ा इमामबाड़ा से होते हुए छोटे इमामबाड़े तक कई जुलूस जाते है। जुलूस को ध्यान में रखते हुए रूमी गेट के दोनों ओर पत्थर की पिलर हटा दिए गए हैं। रूमी दरवाजे की सुरक्षा के कारणों से हैवी वाहनों को रोकने के लिए आगे और पीछे पत्थर के छोटा पिलर खड़े किए गए थे। आम जनता के आवागमन के लिए रूमी दरवाजे के बगल से वैकल्पिक रास्ता खोला गया था। फिलहाल रूमी गेट से निकलने वाले जुलूस को ध्यान में रखते हुए तमाम छोटा पिलर हटा दिए गए हैं। जुलूस में रूमी गेट के नीचे से हाथी, ऊंट, घोड़े समेत बड़ी संख्या में लोग पैदल निकलते हैं। मोहर्रम में तीन बड़े जुलूस रूमी गेट के नीचे से गुजरते हैं, जिनका अपना ऐतिहासिक महत्व है।

हंगामा : वेतन में कटौती, पीएफ नियमों के उल्लंघन का आरोप, काम रोक नारेबाजी की

1912 कॉल सेंटर पर कर्मचारियों का हंगामा

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । हुसैनगंज स्थित 1912 बिजली उपभोक्ता सेवा केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों ने सोमवार रात जमकर हंगामा किया। काम रोककर जमकर बवाल किया और '1912 हाय-हाय' के नारे लगाए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों को समझाकर शांत कराया। इस समय 1912 में आउटसोर्सिंग कंपनी सीवाईफ्यूचर कर्मचारियों की हायरिंग और वेतन भुगतान कर रही है। कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें हर महीने समय पर वेतन नहीं मिल रहा, जबकि शासन के निर्देशों के अनुसार वेतन का भुगतान माह की 1 से 5 तारीख के बीच किया जाना चाहिए। कर्मचारियों का आरोप है कि उपस्थिति के आधार पर भी अत्यधिक सख्ती बरती जा रही है। लॉगइन समय में एक-एक सेकंड की देरी या कमी पर वेतन कटौती की जा रही है। इतना ही नहीं, 8 घंटे की ड्यूटी अवधि में एक सेकंड भी कम होने पर कर्मचारियों को हाफ डे चिह्नित कर दिया जाता है, जिससे उनके वेतन पर सीधा असर पड़ता है।

वेतन से काटा जा रहा कंपनी के पीएफ का हिस्सा

कर्मचारियों के अनुसार, कंपनी की ओर से वेतन 18 से 20 तारीख के बीच जारी किया जाता है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पीएफ कटौती में अनियमितता बरती जा रही है। उनका कहना है कि कर्मचारी अंशदान के साथ-साथ नियोक्ता (कंपनी) का हिस्सा भी उनके वेतन से काटा जा रहा है, जो श्रम नियमों के विपरीत है।

> कर्मचारियों ने संबंधित विभाग और प्रबंधन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था से कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और कार्यस्थल पर असंतोष बढ़ रहा है।

पूर्व जज की कार रोककर लूट का प्रयास

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस एसएन अग्निहोत्री के साथ बीच सड़क पर अभद्रता और संदिग्ध तरीके से वाहन रोकने का मामला सामने आया है। पूर्व जस्टिस ने ऑटो चालक और उसके दो साथियों पर लूटपाट व कार छीनने की कोशिश का आरोप लगाते हुए गोमतीनगर थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अवध विहार निवासी एसएन अग्निहोत्री ने पुलिस से की शिकायत में बताया 4 जून को वह दांत के इलाज के लिए गोमतीनगर स्थित मेट्रो हॉस्पिटल जा रहे थे। जनेश्वर मिश्र पार्क के पास पहले अंडरपास से गुजरते समय पीछे से आ रहे एक ऑटो चालक ने लगातार हॉर्न बजाया। सड़क पर प्लास्टिक कोन लगाकर लेन विभाजित किए जाने के कारण उन्हें तुरंत रास्ता देना संभव नहीं था। आगे जगह मिलने पर उन्होंने अपनी कार को बाईं ओर कर ऑटो को निकलने का रास्ता दिया।

अखिलेश यादव ने कॉरिडोर और चौड़ीकरण परियोजनाओं की न्यायिक जांच की मांग उठाई

राम मंदिर चढ़ावा मामले में लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, कहा- जनता की निगरानी में हो संपत्तियों की जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार की कॉरिडोर और चौड़ीकरण परियोजनाओं पर सवाल उठाते हुए बहुसदस्यीय न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या घोटाला हुआ है तो उससे जुड़े ट्रस्ट, समितियों, प्रशासनिक अधिकारियों और विकास प्राधिकरण के जिम्मेदार लोगों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इन परियोजनाओं से जुड़े पदाधिकारियों और अधिकारियों की कथित अवैध कमाई और संपत्तियों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यह जांच आम जनता, ईमानदार पत्रकारों और विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों की निगरानी में कराई जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में अपना फैसला सुनाएगी और लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव लाएगी।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में विभिन्न विभागों में अनियमितताओं और बजट के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर भी सवाल उठाए और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

कोतवाली के सामने कबाड़ वैन में लगी आग

दमकल कर्मियों की तत्परता से टला हादसा, आग लगने की वजह नहीं साफ

अफरा-तफरी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। महमूदाबाद कोतवाली गेट के सामने मुकदमों से संबंधित जब्त वाहनों के कबाड़ में मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वहां खड़ी एक पुरानी मारुति वैन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और वैन से उठती ऊंची लपटों तथा घने धुएं ने आसपास मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों को चिंता में डाल दिया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। दमकल विभाग की तत्परता के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और आसपास खड़े अन्य वाहनों को सुरक्षित बचा लिया गया। हालांकि

आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, लेकिन जिस मारुति वैन में आग लगी थी वह पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन का अधिकांश हिस्सा आग की चपेट में आने से नष्ट हो गया। घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्र हो गए और स्थिति का जायजा लेते रहे। प्रारंभिक जांच में आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि किसी तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट अथवा अन्य कारणों से आग लगी हो सकती है। हालांकि प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल घटना को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अचानक धुआं उठने के बाद भड़की आग

प्राप्त जानकारी के अनुसार महमूदाबाद कोतवाली परिसर के मुख्य गेट के सामने मुकदमों से संबंधित कई जब्त वाहन लंबे समय से कबाड़ के रूप में खड़े हैं। मंगलवार दोपहर एक पुरानी मारुति वैन से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा नहीं हुआ, लेकिन कुछ ही क्षणों में धुआं तेज लपटों में बदल गया और आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें तेजी से ऊपर उठने लगीं, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी और स्थानीय नागरिक तत्काल सतर्क हो गए और आग पर नियंत्रण पाने के प्रयास शुरू किए गए।

कबाड़ में खड़े अन्य वाहनों तक आग पहुंचने का था खतरा

घटनास्थल पर बड़ी संख्या में जब्त वाहन खड़े होने के कारण आग फैलने की आशंका लगातार बनी हुई थी। आग जिस स्थान पर लगी, उसके आसपास कई चारपहिया और दोपहिया वाहन भी मौजूद थे। यदि आग कुछ देर और अनियंत्रित रहती तो वह अन्य वाहनों तक पहुंच सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान होने की संभावना थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग की तीव्रता को देखते हुए स्थिति काफी चिंताजनक हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग को तत्काल सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही दमकल विभाग की टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। दमकल कर्मियों ने तेजी से मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का अभियान चलाया।

नकली वन दरोगा का भंडाफोड़, सर्राफ से लाखों की हुई ठगी

बाराबंकी में पूछताछ करने पर आरोपी हुआ फरार, कमरे से मिली वर्दी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के सिद्धौर कस्बे में एक नकली वन दरोगा का भंडाफोड़ हुआ है। आरोपी ने खुद को वन दरोगा बताकर एक सर्राफा कारोबारी से लाखों रुपये के जेवर ठगे थे। पुलिस और वन विभाग की टीम ने जब उसे घेरने की कोशिश की, तो वह अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गया। उसके किराए के कमरे से दो स्टार लगी वन विभाग की वर्दी और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं। वन विभाग ने पुष्टि की है कि इस नाम का कोई अधिकारी उनके विभाग में तैनात नहीं है। यह घटना नगर पंचायत सिद्धौर के सिद्धेश्वर वार्ड की है। 'पिंटू ज्वेलर्स' के मालिक गुलाब चंद्र सोनी ने बताया कि ललित यादव नामक व्यक्ति ने खुद को वन दरोगा बताकर 4 मई 2026 को उनसे

लगभग 1.77 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर खरीदे थे। उस समय आरोपी ने केवल 30 हजार रुपये नकद दिए और शेष राशि बाद में चुकाने का वादा किया था। जब दुकानदार ने अपनी बकाया राशि मांगी, तो ललित यादव ने नेपाल बॉर्डर या घने जंगलों में वीआईपी ड्यूटी का बहाना बनाकर टालमटोल करना शुरू कर दिया। लगातार बहानेबाजी के कारण दुकानदार को उस पर शक होने लगा। मंगलवार को जब कथित दरोगा ललित यादव दोबारा सिद्धौर कस्बे में दिखा, तो विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष और स्थानीय सभासद दीप्तांशु निगम ने अपने साथियों शिवकेश शर्मा और राजेंद्र के साथ मिलकर पुलिस को सूचना दी और मौके पर घेराबंदी कर ली। खुद को घिरा देखकर ललित यादव ने अपने मोबाइल से किसी को फोन लगाया और यह दिखाने की कोशिश की कि वह सीधे जिले के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) से बात कर रहा है। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों ने बाराबंकी के डीएफओ आकाश बधवान से आधिकारिक तौर पर संपर्क कर मामले की पुष्टि की। डीएफओ ने स्पष्ट किया कि ललित यादव नाम का कोई भी वन दरोगा उनके विभाग में तैनात नहीं है।

फास्ट न्यूज

बड़े मंगल पर अन्नपूर्णा रसोई का भंडारा

हरदोई। हरदोई में ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के अवसर पर मां अन्नपूर्णा रसोई एवं भारतीय रोटी बैंक परिवार ने विशाल भंडारे का आयोजन किया। मंगलवार, 16 जून को जिला अस्पताल इमरजेंसी गेट स्थित मां अन्नपूर्णा रसोई परिसर में यह भंडारा आयोजित हुआ। इसमें अस्पताल में भर्ती मरीजों, उनके तीमारदारों, राहगीरों, श्रमिकों और जरूरतमंद लोगों को प्रसाद वितरित किया गया।

इंस्ट्रक्टर एजुकेटर भर्ती में ठगी की कोशिश

हरदोई। हरदोई में इंस्ट्रक्टर एजुकेटर भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को ठगी का शिकार बनाने का प्रयास सामने आया है। चयन सुनिश्चित कराने के नाम पर कुछ लोगों द्वारा उम्मीदवारों से धनराशि की मांग की जा रही है। मामले की जानकारी मिलने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय ने अभ्यर्थियों को सतर्क करते हुए चेतावनी जारी की है। बीएसए कार्यालय के अनुसार, इंस्ट्रक्टर एजुकेटर के 210 पदों के लिए 12 जून 2026 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें 630 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था।

बाराबंकी के रमताराम मंदिर की 1200 बीघा संपत्ति पर विवाद

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के जहांगीराबाद क्षेत्र स्थित रमताराम चतुर्भुज मंदिर की करीब 1200 बीघा भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है।

मंदिर प्रबंधन समिति और वर्तमान में नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहारी पुरवा स्थित मंदिर में रह रहे बाबा कमलदास इस संपत्ति पर आमने-सामने हैं। समिति ने इस संबंध में प्रशासन से शिकायत कर पूरे मामले की जांच की मांग की है।

पुरवा नगर पंचायत ने 60 लाख के आरोप नकारे

बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब जीर्णोद्धार में भुगतान नहीं होने का दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पुरवा नगर पंचायत प्रशासन ने बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में कथित 60 लाख रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को निराधार बताया है। नगर पंचायत का कहना है कि इस कार्य के लिए अभी तक कोई भुगतान नहीं किया गया है, ऐसे में वित्तीय अनियमितता के आरोप पूरी तरह गलत हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में बड़े घोटाले की खबरें प्रसारित हो रही थीं। इन आरोपों के बाद पुरवा नगर पंचायत प्रशासन ने एक प्रेस वार्ता कर पूरे मामले पर सफाई दी और आरोपों को तथ्यों से परे बताया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी

(ईओ) संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि मंदिर तालाब जीर्णोद्धार कार्य के लिए अब तक किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बिना किसी जांच और प्रमाण के सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जिससे जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। ईओ ने यह भी बताया कि नगर पंचायत द्वारा सभी विकास कार्यों में नियमों का पालन किया जाता है और भुगतान की प्रक्रिया कार्य की प्रगति एवं पूर्णता के आधार पर ही होती है। उन्होंने 60 लाख रुपये के गबन की बात को पूरी तरह गलत और निराधार बताया। नगर पंचायत अध्यक्ष रेनू गुप्ता ने भी सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यदायी संस्था को भुगतान तभी किया जाता है, जब कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा हो जाता है। बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब जीर्णोद्धार कार्य में अभी तक कोई भुगतान नहीं हुआ है। अध्यक्ष ने आगे कहा कि कार्यदायी संस्था ₹मेसर्स संदीप शुक्ला कंस्ट्रक्शन₹ को लेकर भी लगाए जा रहे आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा बिना प्रमाण के जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

तीन साल में विकास के नाम पर जनता बेहाल, काम नहीं हुआ

सभासदों ने नगर पालिका पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में नगर पालिका परिषद में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कई सभासदों ने प्रेस वार्ता कर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सभासदों का कहना है कि सरकार से पर्याप्त बजट मिलने के बावजूद नगर पालिका में भ्रष्टाचार के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने मोदी-योगी सरकार ने दिया भरपूर बजट, फिर भी भ्रष्टाचार के चलते जन-जन बेहाल है का नारा भी दिया। प्रेस वार्ता में सभासद अमित सिंह बउवा, ब्रजेश पांडे, सतीश यादव सहित कई अन्य सभासद मौजूद रहे। सभासदों ने आरोप लगाया

कि पिछले तीन वर्षों से वे लगातार नगर पालिका में समस्याओं और अनियमितताओं को लेकर शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक वार्ड में मात्र 18 हजार रुपये के क्रॉस निर्माण का काम भी लंबे समय से लंबित है।

सभासदों ने बताया कि उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, एडीएम, जिलाधिकारी, कमिश्नर और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पत्राचार किया है। इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पत्रों को गंभीरता से नहीं लिया जाता और शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

सैकड़ों सड़कें बनवाने का दावा किया गया

सभासदों ने नगर पालिका में खरीद और विकास कार्यों को लेकर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से खरीद में भी अनियमितताएं हुई हैं। खजूर के पेड़ों की खरीद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पोर्टल पर खरीद संभव होने के बावजूद इसे लेकर गलत जानकारी दी गई।

नगर पालिका के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए सभासदों ने कहा कि पालिका की ओर से सैकड़ों सड़कें बनवाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी जनता को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है।

सभासदों ने चेयरमैन और चेयरमैन पति के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें मुख्यमंत्री का संरक्षण मिलने की बात कही गई थी।

एसपी रवि कुमार की सख्ती, यातायात प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

रायबरेली पुलिस महकमे में हुआ बड़ा फेरबदल, 19 उपनिरीक्षकों के तबादले

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा पुलिसिंग को प्रभावी करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सोमवार देर रात पुलिस विभाग में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया।

पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के बाद जारी आदेशों के तहत 19 उपनिरीक्षकों (सब-इंस्पेक्टरों) का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर दिया गया। इसके साथ ही कार्य में लापरवाही एवं प्रशासनिक कारणों के चलते यातायात प्रभारी निरीक्षक सहित सात पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई को जिले में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार उपनिरीक्षक इंद्रपाल सिंह को थाना ऊंचाहार से स्थानांतरित कर कोतवाली नगर क्षेत्र की किला बाजार चौकी का प्रभारी बनाया गया है। वहीं शशिकांत राय को गुरबख्शगंज से जहानाबाद चौकी (कोतवाली नगर) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में सुजीत कुमार यादव को कोतवाली नगर से हटाकर भदोखर क्षेत्र की एम्स चौकी का प्रभारी बनाया गया है, जबकि भूपेंद्र कुमार को शिवगढ़ से मुंशीगंज चौकी (भदोखर) में नई तैनाती दी गई है।

तबादलों और नई तैनातियों के बाद कई थानों एवं चौकियों के समीकरण बदल गए हैं। पुलिस विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की चौकियों और थानों में भी व्यापक फेरबदल किया गया है।

अजय कुमार को गदागंज से थुलेण्डी चौकी (बछरावां) भेजा गया है। मुन्नालाल मिश्रा को गुरबख्शगंज से नरपतगंज चौकी (लालगंज) तथा रामबहादुर सिंह को खीरों से कस्बा लालगंज चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कई अन्य उपनिरीक्षकों को मिली नई जिम्मेदारी

स्थानांतरण सूची में सुनील तिवारी को मखदूमपुर चौकी (गदागंज), अतुल कुमार त्रिपाठी को परैया नमकसार चौकी (नसीराबाद), अभिज्ञान प्रताप सिंह को लल्लाखेड़ा चौकी (खीरों) तथा जीत बहादुर पांडे को गुल्लूपुर चौकी (हरचंद-पुर) का प्रभारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त सचिन सिंह को गुरबख्शगंज क्षेत्र की अटीरा चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं अपराध शाखा में तैनात रवि पवार को सलोन क्षेत्र में तैनात किया गया है।

यातायात प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने प्रशासनिक सख्ती दिखाते हुए यातायात प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार तिवारी को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया है।

उनके साथ सात अन्य पुलिसकर्मियों को भी लाइन हाजिर किया गया है।

लाइन हाजिर किए गए पुलिसकर्मियों में वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोहम्मद मुकरिम, अनुज कुमार, अरविंद कुमार, दिनेश गोस्वामी, विशाल सिंह तथा अशरफ अली शामिल हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई कार्य में लापरवाही एवं प्रशासनिक कारणों के आधार पर की गई है।

संजय सेतु भारी वाहनों के लिए खुला

दो महीने बाद बहाल हुआ आवागमन, व्यापारियों-ट्रांसपोर्टरों को राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र में सरयू नदी पर स्थित संजय सेतु पर भारी वाहनों की आवाजाही दो महीने बाद पूरी तरह बहाल कर दी गई है। पुल के दोबारा चालू होने से ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। संजय सेतु भारत और नेपाल को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में से एक है। पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही रुकने से माल ढुलाई बुरी तरह प्रभावित हुई थी। इसके चलते व्यापारिक गतिविधियां मंद पड़ गई थीं और ट्रांसपोर्टरों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। पुल के दोबारा खुलने से अब माल परिवहन सुगम हो गया है। इससे व्यापार को गति मिलने के साथ-साथ क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय व्यापारियों ने

इस निर्णय पर खुशी व्यक्त की है, वहीं ट्रांसपोर्टरों ने भी प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल बंद होने के कारण उन्हें वैकल्पिक और लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ रहा था, जिससे समय और ईंधन दोनों का अधिक व्यय हो रहा था। संजय सेतु के फिर से चालू होने से यातायात व्यवस्था में सुधार आया है और लोगों को आवागमन में सुविधा मिल रही है। वर्तमान में संजय सेतु पर भारी वाहनों सहित सभी प्रकार के यातायात सुचारु रूप से जारी हैं।

विवाद : वक्फ एवं हज बोर्ड के अध्यक्ष ने लगाए करोड़ों की अनियमितता के आरोप

उन्नाव स्टेडियम निर्माण पर सवाल, सीबीबाआई जांच की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सोनिक क्षेत्र में निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम परियोजना को लेकर नया विवाद सामने आया है। वक्फ एवं हज बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने स्टेडियम का निरीक्षण करने के बाद परियोजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद खिलाड़ियों के लिए अपेक्षित स्तर की सुविधाएं विकसित नहीं हो सकी हैं।निरीक्षण के दौरान मोहसिन रजा ने निर्माण कार्यों और उपलब्ध व्यवस्थाओं का

जायजा लिया। उन्होंने दावा किया कि जिस उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की गई थी, वह अभी तक पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। उनके अनुसार, आधुनिक क्रिकेट एकेडमी और मानक के अनुरूप खेल मैदान तैयार करने के लिए भारी बजट खर्च किया गया, लेकिन धरातल पर इसके परिणाम संतोषजनक नहीं हैं।उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट प्रशासन से जुड़े कुछ लोगों पर भी धन के दुरुपयोग के आरोप लगाए। मोहसिन रजा का कहना है कि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर बड़ी राशि खर्च की गई, लेकिन परियोजना की प्रगति और गुणवत्ता कई सवाल खड़े करती है।मोहसिन रजा ने पूरे मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि करोड़ों रुपये की परियोजना में किसी प्रकार की अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

खेल सुविधाओं से जुड़ा गंभीर विषय

मोहसिन रजा ने चेतावनी दी कि यह मामला केवल एक स्टेडियम तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों और खेल सुविधाओं से जुड़ा एक गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई, तो वह प्रदेश स्तर पर एक अभियान चलाएंगे और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार लगातार खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ऐसे में कुछ लोगों की लापरवाही या गलत कार्यप्रणाली के कारण इन महत्वपूर्ण योजनाओं का मूल उद्देश्य प्रभावित नहीं होना चाहिए।

खिलाड़ियों के हित प्रभावित

मोहसिन रजा ने जोर देकर कहा कि क्रिकेट स्टेडियम और एकेडमी जैसी परियोजनाएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। हालांकि, यदि इनमें पारदर्शिता नहीं बरती जाती तो खिलाड़ियों के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना में धन के उपयोग को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं,जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर

दंपति समेत चार घायल, उत्तराखंड से घूमकर लौट रहा था परिवार, तीन लखनऊ रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार की सुबह एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। यहां हालत गंभीर होने दंपति समेत 3 को लखनऊ रेफर कर दिया गया।

घायलों में लखनऊ के इंदिरा नगर निवासी 40 वर्षीय नवदीप रस्तोगी, उनकी 37 वर्षीय पत्नी कीर्ति रस्तोगी, 13 वर्षीय पुत्र वैदिक और 6 वर्षीय पुत्र नैतिक शामिल हैं। मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार के बाद नवदीप, कीर्ति और वैदिक को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर कर दिया गया।

नवदीप रस्तोगी स्टूडियो चलाते हैं। उनके चचेरे भाई शुभम ने बताया कि नवदीप अपने परिवार

के साथ 10 जून को उत्तराखंड घूमने गए थे। उनके साथ उनके चचेरे भाई शाहजहांपुर निवासी शुभम, उनकी पत्नी ऋचा और एक वर्षीय पुत्र यथार्थ भी थे।

मंगलवार सुबह नवदीप शुभम के परिवार को शाहजहांपुर छोड़ने के बाद हरदोई के रास्ते लखनऊ लौट रहे थे।

इसी दौरान देहात कोतवाली क्षेत्र के नानकगंज झाला के पास मन्ना पुरवा पावर हाउस के सामने उनकी कार को ट्रक ने टक्कर मार दी।

हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी गई। पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया और यहां से तीन घायलों को लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सम्पादकीय

समझौता कितना टिकाऊ

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर सहमति बनना पश्चिम एशिया के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए राहतकारी तो है, लेकिन जब तक इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते और यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि दोनों पक्षों में वस्तुतः किन-किन बिंदुओं पर सहमति बनी है, तब तक स्थायी शांति की आशा नहीं की जा सकती।

समझौते के बिंदुओं को लेकर ईरानी मीडिया जो दावे कर रहा है, वे अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों से मेल नहीं खाते। ट्रंप कह रहे हैं कि होर्मुज समुद्री मार्ग जल्द खुल जाएगा और ईरान को वहां से निकलने वाले जहाजों से टैक्स वसूलने का अधिकार नहीं होगा, लेकिन ईरान कह रहा है कि यह समुद्री मार्ग उसकी व्यवस्थाओं के तहत खुलेगा। एक तो इसका आशय स्पष्ट होना आवश्यक है और दूसरे, करीब सौ दिन पहले अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने वाले इजरायल का संतुष्ट होना भी। यह ध्यान रहे कि इजरायल कह रहा है कि वह लेबनान के उन क्षेत्रों से पीछे नहीं हटेगा, जो उसने अपने अधिकार में ले लिए हैं। उसने यह भी चेतावनी दी है कि यदि लेबनान की धरती से उस पर हमला हुआ तो ईरान समर्थित हिजबुल्ला को वह हर हाल में निशाना बनाएगा।

ईरान की ओर से भी यह रेखांकित किया जा रहा है कि अंतिम वार्ता तब तक शुरू नहीं होगी, जब तक उसकी फ्रीज संपत्तियों का कम से कम आधा हिस्सा जारी नहीं कर दिया जाता और उसके तेल पर लगे प्रतिबंध निलंबित नहीं कर दिए जाते। ऐसे में आगामी शुक्रवार तक प्रतीक्षा करनी होगी, जब जेनेवा में इस समझौते पर हस्ताक्षर होंगे।

इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद अगले 60 दिन तक ईरान के साथ उसके परमाणु कार्यक्रमों और अन्य विषयों पर वार्ता होगी। स्पष्ट है कि यह भी देखना होगा कि इस वार्ता का नतीजा क्या रहता है? यदि ईरान इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला, हमास और हूती जैसे संगठनों को उसके खिलाफ उकसाता रहता है तो पश्चिम एशिया कभी भी सुलग सकता है। ईरान के साथ समझौते को लेकर ट्रंप यह प्रकट कर रहे हैं कि उनके मन-मुताबिक समझौता हुआ, लेकिन सच तो यह है कि फिलहाल ईरान का पलड़ा भारी दिख रहा है और इसके लिए वही अधिक जिम्मेदार हैं। जो भी हो, होर्मुज समुद्री मार्ग के पहले की तरह खुलने एवं वहां से नौवहन में कोई बाधा न खड़ी होने से ही दुनिया की चिंताएं खत्म होंगी और तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष जो गंभीर संकट पैदा हुआ, वह दूर होगा। इसमें भी समय लगेगा, क्योंकि होर्मुज से बारूदी सुरंगों को हटाने का काम करना होगा। एक तथ्य यह भी है कि ईरान ने खाड़ी के देशों में तेल और गैस संयंत्रों पर जो हमले किए, उनके चलते वे क्षतिग्रस्त हो गए हैं और उनका उत्पादन प्रभावित हुआ है।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां महंगा होता इलाज

> भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है- क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनर-क्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े।

इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं।

ललित गर्ग

दुर्लभ मानव जीवन

हमको जो आनन्द वास्तविक में होता है वह मात्र प्रदर्शन में कहां होता है। क्या बनना हैं यह ख़ुद पर निर्भर हैं। माना की मदर टेरेसा बनना दुर्लभ है पर किसी दिन-दुखी जरूरतमंद के आंसू तो पोंछ ही सकते है। भगतसिंह बनना दुर्लभ है पर देश हित सोच सच का साथ तो दे ही सकते हैं।देश का नैतिक उत्थान कर उन्नति का आह्वान कर सकते हैं। प्रेम व मानवता की अनुकंपा से अपना आदर्श मार्ग स्थापित कर सकते हैं। और वैसे भी जीवन में निखार अंतिम एवं शाश्वत सत्य मृत्यु को हृदय से स्वीकार करने से आता हैं । व्यवस्थित ,नियमित,समयोचित जीवन शैली सफलता का पहला पायदान है । हमें मनुष्य जीवन प्राप्त हैं । 84 लाख जीव योनियों में मनुष्य जन्म को दुर्लभ बताया गया हैं । मनुष्य जन्म मिल गया और यदि इसे पापों में , व्यसनों में आदि में गंवा दिया तो पुनः यह जन्म कब मिले , कहना मुश्किल हैं । हम भाग्यशाली है कि यह दुर्लभ मानव जीवन वर्तमान में हमको प्राप्त हैं । इस मनुष्य जीवन को हमें पापों में नहीं गंवाकर इसका उपयोग धर्म , ध्यान , साधना , आराधना आदि में करें तो इससे हमको मोक्ष की प्राप्ति भी हो सकती हैं । हमारे द्वारा इस मानव जीवन को व्यसनों में , पापों में गंवा देना एक नासमझी की बात हो जाती हैं । जैसे किसी व्यक्ति को सोने का थाल मिल जाए और वह उसका उपयोग कूड़ा- करकट फेंकने में करें, खाना खाने व खिलाने में न करें ।इसी प्रकार किसी को अमृत प्राप्त हो जाए तो उसे पीने में उपयोग न करके गंदे पैर धोनें में करता हैं । किसी को चिंतामणि रत्न मिल जाए और उस रत्न का प्रयोग कौवें को भगाने के लिए करें तो ये सभी कार्य व्यक्ति के अज्ञानता या मूर्खता के द्योंतक हैं । इसी प्रकार जो व्यक्ति प्रमत्त होकर दुर्लभ मानव जीवन को व्यर्थ गंवाता हैं, वह भी इन्हीं मूर्ख व्यक्तियों की तरह होता हैं ।

› **प्रदीप छाजेड़**

1963 में उनके...

कुमार कृष्णन

विदेशों में है बिहार योग पद्धति की धूम

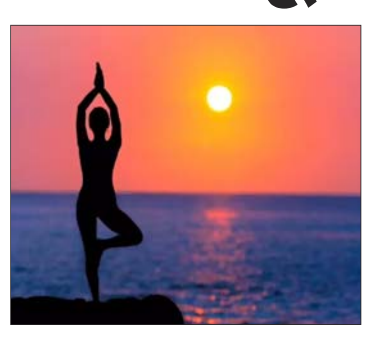

अपनी अंतरात्मा में स्वयं को महसूस करने से बेहतर कोई अनुभव नहीं है। सदियों से योग अंतर्मन की शांति जागृत करने के लिए जाना जाता है। हम अकसर मन की शांति की तलाश भौतिक वस्तुओं में करते हैं। स्वामी शिवानंद सरस्वती के शिष्य और विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योगिक अभ्यासों के प्रसार के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने में अग्रणी भूमिका निभाई। बिहार योग विद्यालय,मुंगेर के संस्थापक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा विकसित सत्यानंद योग जो बिहार योग के रूप में विदेशों में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह पारंपरिक योग पद्धतियों, वैज्ञानिक शोधों और आधुनिक जीवनशैली का एक अनूठा मिश्रण है। इस कारण परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती को आधुनिक युग का पतंजलि माना जाता है, क्योंकि उन्होंने प्राचीन और जटिल योग विज्ञान को सरल, वैज्ञानिक और व्यावहारिक बनाकर आम जनमानस तक पहुँचाया। परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंज-नानंद सरस्वती के अनुसार -₹स्वामी सत्यानंद ने योग को नया जीवन, नया जन्म दिया। उन्होंने योग का पुनरुद्धार किया – अन्यथा यह लुप्त हो गया होता। इसलिए, स्वामी सत्यानंद आज के पतंजलि हैं।

1963 में उनके द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय वैश्विक योग पुनर्जागरण का केंद्र बन गया, जिसने मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करने के लिए यौगिक अभ्यासों और सिद्धांतों के मिश्रण का प्रचार किया। इस प्रणाली को बिहार योग या सत्यानंद योग परंपरा कहा जाता है। उन्होंने स्वामी शिवानंद द्वारा परिकल्पित 'संश्लेषण योग' प्रणाली को अपनाया और वेदांत, योग और तंत्र के व्यावहारिक और अनुप्रयुक्त पहलुओं को मिलाकर बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली की रचना की।

बिहार योग/सत्यानंद योग की प्रमुख विशेषताओं में से एक है योग के सभी पहलुओं का एकीकरण। योग की विभिन्न शाखाओं को एक व्यवस्थित दृष्टिकोण में समाहित किया गया है ताकि संतुलित विकास और पूर्णता प्राप्त की जा सके। समग्र योग साधना की नींव मूलभूत योगों द्वारा रखी जाती है जो मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करते हैं: हठ योग, राज योग, ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग। योग की अन्य शाखाएँ भी बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली का हिस्सा हैं, जिनमें मंत्र योग, नाद योग, क्रिया योग, कुंडलिनी योग, लय योग आदि शामिल हैं।

बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली विकसित करते हुए, स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने प्राचीन योग और तांत्रिक प्रणालियों से अज्ञात और गुप्त अभ्यासों को प्रकाश में लाया। उन्होंने अभ्यासों के प्रगतिशील चरणों, अवस्थाओं और क्रमों की पहचान की और उन्हें सरल और व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे सभी लोग इस मूल्यवान विज्ञान में गहराई से उतर सकें और इसके लाभ प्राप्त कर सकें। पहली बार ये अभ्यास आम लोगों के लिए व्यावहारिक, सुरक्षित और प्रभावी रूप में सुलभ हुए। श्री स्वामी सत्यानंद ने देखा कि सरल अभ्यास समकालीन लोगों के लिए उपयुक्त हैं, और नियमित अभ्यास से गहन और परिवर्तनकारी अनुभव प्राप्त होते हैं। श्री स्वामी सत्यानंद ने योग की पद्धतियों को अद्वितीय ढंग से व्यवस्थित किया और प्राचीन ग्रंथों और ज्ञान से प्रेरणा लेकर अनेक ऐसी तकनीकें विकसित कीं जिनका अभ्यास आज विश्व भर में किया जाता है। उन्होंने ऋषि पतंजलि के योग-सूत्रों का आधुनिक विश्लेषण कर मानवता को एक सुगम योग पद्धति प्रदान की। स्वामी सत्यानंद ने योगिक तकनीकों के प्रभावों पर वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों की अपार संभावनाओं और लाभों को पहचाना और 1970 के दशक के उत्तरार्ध में उन्होंने कई योगिक अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें प्रेरित किया। इस अनुसंधान ने समाज को यह समझने में मदद की है कि योगिक अभ्यास मानव शरीर, मन और भावनाओं को कैसे प्रभावित करते हैं, और कैसे ये अभ्यास आंतरिक छिपी हुई क्षमता को जागृत कर सकते हैं और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं।

विभिन्न अभ्यासों और तकनीकों का उपयोग अस्थमा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और गर्भावस्था सहित कई प्रकार की स्थितियों की रोकथाम, प्रबंधन और उपचार के लिए चिकित्सीय रूप से कैसे किया जा सकता है।स्वामी सत्यानंद ने योग पर छाए रहस्यवाद के पर्दे को हटाकर इसे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के विज्ञान के रूप में न केवल भारत में, बल्कि विश्व के हर महाद्वीप में साधकों के सामने प्रस्तुत किया।

बागवानी और आधुनिक तकनीक से खेती करके अमेठी के देव नारायण ने कायम की आर्थिक उन्नति की मिसाल

उत्तर प्रदेश सरकार की किसानोन्मुखी नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम अब राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषि और बागवानी योजनाओं ने ग्रामीण परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है। सही दिशा, आधुनिक तकनीक और समय पर सरकारी सहायता मिलने से राज्य के किसान पारंपरिक खेती के ढर्रे से बाहर निकलकर व्यावसायिक और नवाचारी कृषि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यह बदलाव न केवल किसानों को आत्मनिर्भर बना रहा है बल्कि उनकी आर्थिक समृद्धि का एक मजबूत और टिकाऊ आधार भी तैयार कर रहा है। इसी क्रम में स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन ने इन योजनाओं को धरातल पर उतारने और वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह वैचारिक और तकनीकी सफलता कहानी प्रदेश सरकार की उस दूरदर्शी मंशा को साकार करती है जिसमें किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक खेती को बढ़ावा देने तथा परंपरागत फसलों से आगे बढ़कर नवाचार अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। उत्तर प्रदेश मूलतः एक कृषि प्रधान राज्य होने के साथ-साथ बागवानी के क्षेत्र में भी असीम संभावनाओं से भरा हुआ है। इसी असीम क्षमता को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से श्एकीकृत बागवानी विकास मिशनश् योजना संचालित की जा रही है। यह एक ऐसी महत्वाकांक्षी योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य में फल, सब्जी, मसाले, मशरूम और फूलों की खेती को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदलना है।

गेहूं और धान जैसी पारंपरिक फसलों के मुकाबले बागवानी फसलों में जोखिम बेहद कम और मुनाफे की गुंजाइश बहुत अधिक होती है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की जलवायु के अनुकूल आम, अमरूद, केला और बेल जैसी पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अब लीक से हटकर की जाने वाली विदेशी और उच्च मूल्य वाली फसलों को भी इस मिशन के तहत काफी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा है ड्रैगन फ्रूट, जिसे अब उत्तर प्रदेश में एक नई पहचान के रूप में 'कमलम' नाम से भी जाना जाता है। इस अनोखे और औषधीय गुणों से भरपूर फल की मांग बाजारों में बहुत तेजी से बढ़ी है, जिसके कारण प्रदेश के प्रगतिशील किसान इसके प्रति अत्यधिक आकर्षित हो रहे हैं। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत प्रदेश सरकार ड्रैगन फ्रूट की खेती करने वाले किसानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता की सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को उन्नत किस्म के पौधे खरीदने, कंक्रीट के खंभे यानी पोल लगाने और फसल के प्रारंभिक रख-रखाव के लिए भारी अनुदान दिया जाता है। चूंकि ड्रैगन फ्रूट मूल रूप से कैक्टस प्रजाति का पौधा है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है। कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देने की इस खूबी के कारण यह फसल बुंदेलखंड, विंध्य और राज्य के अन्य कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए बेहद आदर्श और लाभकारी साबित हो रही है। इस मिशन के अंतर्गत सिंचाई की आधुनिक तकनीकों के समन्वय पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' माइक्रोइरी-गेशन योजना की रीढ़ की हड्डी बनकर उभरी है।

जरा हटके

योजना की जानकारी...

निधि वर्मा

जनपद कन्नौज के महेन्द्र कुमार की निषादराज बोट सब्सिडी योजना से बदली जिंदगी

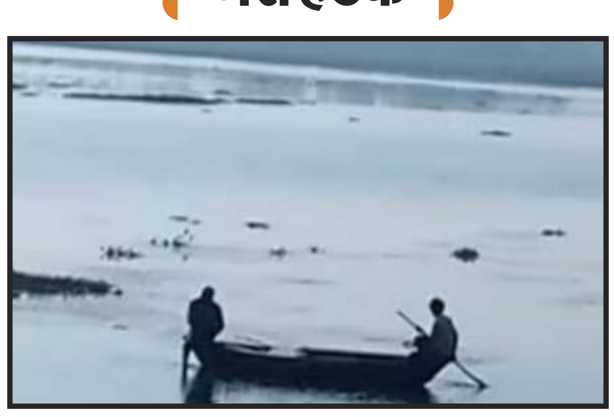

जनपद कन्नौज के विकास खंड कन्नौज स्थित ग्राम मेंहदीपुर पोस्ट मियागंज निवासी श्री महेंद्र कुमार पुत्र श्री गोविन्द कुमार ने यह सिद्ध कर दिया है कि सरकारी योजनाओं से आजीविका के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। परंपरागत रूप से गंगा नदी में मछली पकड़ने का कार्य करने वाले श्री महेंद्र कुमार आज उत्तर प्रदेश सरकार की निषादराज बोट सब्सिडी योजना से लाभान्वित होकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल हुए हैं। उनकी सफलता आज क्षेत्र के अन्य मत्स्यजीवियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

श्री महेंद्र कुमार पूर्व में पारंपरिक तरीके से मत्स्य आखेट का कार्य करते थे। एक किसान गोष्ठी में प्रतिभाग करते समय उन्होंने मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें मत्स्य पालन एवं निषादराज बोट सब्सिडी योजना की जानकारी प्राप्त हुई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के अंतर्गत मत्स्यजीवियों को नाव, जाल, लाइफ जैकेट तथा आइस बॉक्स जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना के तहत स्वीकृत इकाई की कुल लागत 77,050 निर्धारित है, जिस पर लाभार्थी को 40 प्रतिशत अनुदान राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

योजना की जानकारी प्राप्त होने के बाद श्री महेंद्र कुमार ने आधुनिक एवं सुरक्षित तरीके से मत्स्य आखेट करने का निर्णय लिया। उन्होंने मत्स्य विभाग, कन्नौज के सहयोग से वर्ष 2024-25 में निषादराज बोट सब्सिडी योजना के अंतर्गत आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के उपरांत उन्होंने योजना के तहत नाव, जाल, लाइफ जैकेट और आइस बॉक्स सहित आवश्यक सामग्री क्रय की। विभाग द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार उन्हें सरकारी अनुदान का लाभ भी प्राप्त हुआ, जिससे उनकी आर्थिक भागीदारी कम हुई और आधुनिक संसाधनों तक उनकी पहुंच आसान बन सकी।

श्री महेंद्र कुमार ने बताया कि इस योजना से प्राप्त नाव और अन्य उपकरणों के उपयोग से अब उनका मत्स्य आखेट कार्य अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रभावी हो गया है। विशेष रूप से आइस बॉक्स की सुविधा मिलने से पकड़ी गई मछलियों को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है, जिससे बाजार में उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। पहले जहां मछलियों की गुणवत्ता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण था, वहीं अब ताजगी बरकरार रहने के कारण उनकी बिक्री में वृद्धि हुई है और आय में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। योजना से प्राप्त लाभ के परिणामस्वरूप श्री महेंद्र कुमार के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मत्स्य व्यवसाय से होने वाली बढ़ी हुई आय के कारण वे अपने परिवार का बेहतर ढंग से भरण-पोषण कर पा रहे हैं तथा अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकारी सहायता ने न केवल उनके व्यवसाय को गति दी है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन लाया है।

श्री महेंद्र कुमार ने बताया कि इस योजना से लाभान्वित होने से आसपास के गांवों के अनेक मत्स्य पालक भी मत्स्य विभाग से संपर्क कर निषादराज बोट सब्सिडी योजना की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। वे स्वयं भी अन्य मछुआरों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर न केवल रोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं, बल्कि पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर आत्मनिर्भरता और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं। मोबाइल लैब फिश पैथोलॉजी क्लीनिक के युवा मत्स्य वैज्ञानिक श्री वीर गौरव मत्स्यपालकों की मछलियों का कर रहे हैं इलाज उत्तर प्रदेश सरकार की मत्स्य क्षेत्र की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर महारा-जगंज जनपद के पिपरा ग्राम निवासी युवा मत्स्य वैज्ञानिक श्री वीर गौरव ने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि क्षेत्र के हजारों मत्स्य पालकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरे हैं। 28 वर्षीय श्री वीर गौरव ने अपनी लगन, तकनीकी ज्ञान और नवाचार के बल पर प्रदेश में आधुनिक मत्स्य स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान स्थापित की है। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि सरकारी योजनाओं का समुचित उपयोग कर युवा उद्यमिता को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। श्री वीर गौरव ने थाइलैण्ड के प्रतिष्ठित एशियन इंस्टीट्यूट आॅफ टेक्नॉलाजी से एक्वाकल्चर एवं एक्वाटिक रिसोर्स मैनेजमेंट में मास्टर आफ इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा प्राप्त की, जिसमें उन्होंने मछली स्वास्थ्य प्रबन्धन में विशेषज्ञता हासिल की। अध्ययन के दौरान उन्होंने महसूस किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालकों को मछलियों में होने वाली बीमारियों के वैज्ञानिक परीक्षण एवं उपचार की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो, इसी आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने मत्स्य पालकों की सेवा हेतु आधुनिक तकनीक आधारित मोबाइल फिश पैथोलॉजी क्लीनिक स्थापित करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत उन्हें लगभग 35 लाख रुपये की परियोजना लागत पर अभिनव मोबाइल फिश पैथोलॉजी क्लीनिक स्थापित करने की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें 60 प्रतिशत तक का शासकीय अनुदान प्रदान किया गया। इस क्लीनिक के माध्यम से वे मत्स्य पालकों के तालाबों और जलाशयों पर जाकर जल गुणवत्ता की जांच, मछलियों में होने वाली बीमारियों का वैज्ञानिक परीक्षण, रोग निदान तथा उपचार संबंधी परामर्श उपलब्ध कराते हैं।

एफआईआर अबतक नहीं, डीएम-एसएसपी के साथ एसआईटी मंदिर पहुंची, कल 42 संदिग्ध से पूछताछ की थी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की 3 शिकायत

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में मंगलवार को पुलिस के पास 3 शिकायतें पहुंची हैं। पहली- शिकायत धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे ने की। दूसरी- यूपी युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला और तीसरी- करणी सेना ने की है। हालांकि पुलिस ने अभी तक कोई भी FIR दर्ज नहीं की है। मंगलवार सुबह 11 बजे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम, यानी SIT जांच के लिए मंदिर पहुंची। साथ में अयोध्या DM शशांक त्रिपाठी और SSP डॉ. गौरव ग्रोवर भी हैं। टीम आज भी ट्रस्ट के संदिग्ध कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। टीम ने सोमवार को ट्रस्ट महासचिव चंपत राय से चढ़ावा चोरी को लेकर

जानकारी ली थी। इसके अलावा, ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव को SIT ने बुलाकर उनसे सवाल-जवाब किए। टीम ने 42 संदिग्ध कर्मचारियों से भी पूछताछ की थी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में एफआईआर क्यों नहीं हो रही है, इसके जवाब में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कानपुर में कहा, राम मंदिर ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को चिट्ठी लिखकर कहा है, निवेदन किया है कि एसआईटी का गठन किया जाए। इससे कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। ये ट्रस्ट का मामला है, उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके आग्रह पर एसआईटी का गठन किया है।

एसआईटी का सवाल- कर्मचारियों की जाते वक्त जांच होती थी या नहीं?

सूत्रों के अनुसार, SIT ने सोमवार को सबसे पहले चंपत राय से जांच की जानकारी ली। इसके बाद एक-एक संदिग्ध से बंद कमरे में पूछताछ की। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मंदिर परिसर में प्रवेश के समय कर्मचारियों की चेकिंग होती थी, लेकिन बाहर निकलते समय नहीं होती थी।

निर्माण प्रभारी का भतीजा भी रडार पर, ट्रेन से बोरा लेकर जाता, फ्लाइट से लौटता था

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर से दो दिन पहले यानी शनिवार को सोना मिला। ट्रस्ट की टीम पुलिस के साथ उनके घर पहुंची थी। ट्रस्ट की जांच टीम ने गोपनीय तरीके से यह कार्रवाई की। इस मामले में ट्रस्ट और पुलिस का कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है। सूत्र बताते हैं कि इसकी कीमत करोड़ों में है। टिन्नू को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का करीबी माना जाता है।

अब तक 2 करोड़ की बरामदगी

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। लवकुश और अनुकल्प पुलिस हिरासत में हैं।

"करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव सिंह ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को हिंदुत्व की हत्या करार दिया। अयोध्या में उन्होंने कहा- दोषियों को जेल भेजा जाए। आम लोगों को पुलिस जेल भेजकर जांच करती है, लेकिन इस मामले में आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है करणी सेना प्रदर्शन करेगी।

सपा प्रमुख और पूर्व मंत्री ने चोरी का मुद्दा उठाया था

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर CBI जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

झांसी यूनिवर्सिटी ने जारी किया बीएड प्रवेश परीक्षा परिणाम

अलीगढ़ की वंदना सिंह ने किया यूपी टॉप, 4 लाख 107 अभ्यर्थियों को मिली रैंक

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी के बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया। प्रदेशभर के 4 लाख से अधिक सफल अभ्यर्थियों में अलीगढ़ की वंदना सिंह ने पहला स्थान हासिल कर परीक्षा में टॉप किया है। अलीगढ़ के नितिन पचौरी दूसरे और जौनपुर की खुशी अजय मिश्रा तीसरे स्थान पर रहीं। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी की मौजूदगी में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने परीक्षाफल जारी किया। परिणाम घोषित होने के बाद मंत्रियों और अधिकारियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से टॉप-10 अभ्यर्थियों से संवाद कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश

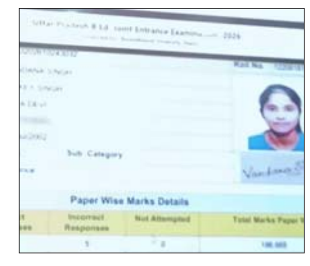

शासन ने संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 के आयोजन की जिम्मेदारी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को सौंपी थी। 31 मई को प्रदेश के 72 जिलों में स्थापित 1011 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के लिए कुल 4,44,958 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 2,72,659 महिलाएं, 1,72,297 पुरुष और 2 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। पहली पाली में 4,00,499 और दूसरी पाली में 4,00,756 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। कासगंज और पीलीभीत में सर्वाधिक 95 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।

फास्ट न्यूज

शहर के पुराने इलाके में जलनिकासी को बनेंगे नाले

गोरखपुर। शहर के पुराने इलाकों में जलनिकासी के लिए दो बड़े नाले बनाए जाएंगे। इनपर 144 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 15वें वित्त आयोग की निधि से अर्बन फ्लड, जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना तैयार की गई है। इसके तहत बनने वाले दोनों नाले पूरी तरह से कवर्ड (ढके हुए) होंगे। पहला नाला सुमेर सागर से एडी मॉल होते हुए इलाहीबाग तक बनाया जाएगा।

बड़े मंगल पर सूरतगंज क्षेत्र में जगह-जगह सजे भंडारे

(बाराबंकी)। सातवें बड़े मंगल के अवसर पर मंगलवार को सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। क्षेत्र के सूरतगंज, रानीगंज, अमराई गांव, दुर्गापुर नौबस्ता, क्योटली पेट्रोल पम्प के पास तथा अन्य स्थानों पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे दिन क्षेत्र में भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सूरतगंज कस्बे में समाजसेवी श्याम गुप्ता द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कुत्ते ने बुजुर्ग को 103 जगह नोचा, मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के देवा थाना क्षेत्र स्थित बबुरिहा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक पागल कुत्ते ने पैरालिसिस से पीड़ित 80 वर्षीय बुजुर्ग मंसाराम को 103 जगह से नोच डाला। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की मंगलवार को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मंसाराम अपने जर्जर मकान में अकेले थे और लकवाग्रस्त होने के कारण खुद का बचाव करने में असमर्थ थे।

मऊ जिला अस्पताल में बढ़ी मरीजों की भीड़

बदलते मौसम से रोजाना एक हजार से अधिक ओपीडी

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ। मऊ जिले में बदलते मौसम का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। कभी तेज धूप और उमस, तो कभी अचानक बारिश और ठंडी हवाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है, जहां प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में बुखार, सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, खांसी, पेट संबंधी समस्याओं, डिहाइड्रेशन और एलर्जी के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम के बार-बार बदलने से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से ग्रस्त लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम

विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। तापमान में अचानक उतार-चढ़ाव के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो सकती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ताजा और स्वच्छ भोजन का सेवन करें। अनावश्यक रूप से धूप या बारिश में बाहर रहने से बचें।

परिवार के 3 लोगों की हत्या, इनमें 2 महिलाएं

प्रयागराज में दौड़ा-दौड़ाकर मारा, घर के अंदर से बाहर तक पड़ी थीं लाशें

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में एक ही परिवार के 3 लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों में 2 महिलाएं शामिल हैं। हमलावरों ने घर में घुसकर दौड़ा-दौड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। खून से लथपथ शव घर के आहाते से लेकर बाहर तक पड़े मिले। तीनों के सिर पर कुल्हाड़ी या लोहे की रॉड जैसी किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। वारदात के समय घर में 4 लोग मौजूद थे। एक 60 वर्षीय महिला भी घर में थी, लेकिन वह सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में सोमवार रात हुई। मंगलवार सुबह पड़ोसियों को ट्रिपल मर्डर का पता चला। पुलिस के मुताबिक, श्यामलाल गुप्ता उर्फ कल्लू (65) और उनके दो भाइयों की पत्नियां

अमरावती (58) व इंद्रावती (55) मृत मिलीं। श्यामलाल पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके दो भाइयों दूधनाथ और धनीराम की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। श्यामलाल घर में ही छोटी-सी किराने की दुकान चलाते थे। उनके भाई नींबू लाल और उनका बेटा बेंगलुरु में गोलगप्पे बेचते हैं, जबकि राम निरंजन राजस्थान में मजदूरी करते हैं। श्यामलाल की कोई संतान नहीं थी। वह अपनी पत्नी सरस्वती के साथ गांव में रहते थे। दूधनाथ की पत्नी इंद्रावती (55) और नींबू लाल की पत्नी अमरावती (58) भी यहीं रहती थीं। धनीराम की पत्नी अपनी दो बेटियों प्रिया उर्फ नेहा (19) और शिवानी (8) के साथ रहती थीं। नेहा का गांव के ही रहने वाले हिमांशु यादव से मिलना-जुलना था। नेहा के ताऊ श्यामलाल और उनकी दोनों चाचियां अमरावती व इंद्रावती इस रिश्ते का विरोध करती थीं। फरवरी में नेहा और हिमांशु घर छोड़कर चले गए थे। हालांकि, एक दिन बाद ही दोनों वापस लौट आए थे।

नेहा के प्रेम संबंध का परिवार करता था विरोध

नेहा का गांव के ही रहने वाले हिमांशु यादव से मिलना-जुलना था। नेहा के ताऊ श्यामलाल और उनकी दोनों चाचियां अमरावती व इंद्रावती इस रिश्ते का विरोध करती थीं। फरवरी में नेहा और हिमांशु घर छोड़कर चले गए थे। हालांकि, एक दिन बाद ही दोनों वापस लौट आए थे। इसके बाद परिवार के लोगों ने नेहा को उसके मामा के घर भेज दिया था। वह पिछले चार महीने से वहीं रह रही थी। कुछ समय बाद नेहा की मां अपनी छोटी बेटी शिवानी को लेकर मायके चली गई थीं।

ग्रामीणों ने बताया- सुबह घर के बाहर से निकले महिलाओं की लाश देखी

ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 5 बजे जब वे श्यामलाल के घर के बाहर से निकले तो देखा कि दो महिलाएं जमीन पर पड़ी हैं और उनके शरीर से खून बह रहा है। पास जाकर देखा तो वे अमरावती और इंद्रावती थीं। वहीं बगल में श्यामलाल भी मृत पड़े थे और उनके सिर से काफी खून बह रहा था। ग्रामीणों ने दरवाजा खटखटाया तो श्यामलाल की पत्नी सरस्वती घर के अंदर सोती मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वायड और एसओजी की टीम मौके पर पहुंच गई। ट्रैकर डॉग करीब 200 मीटर दूर एक संदिग्ध के घर तक पहुंचकर रुक गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए हैं।

8 आरोपी गिरफ्तार, 9 एमएम पिस्टल और 3 लग्जरी गाड़ियां बरामद

प्रधान प्रतिनिधि पर फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। संतकबीरनगर में प्रधान प्रतिनिधि बीर बहादुर राय पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने सोमवार को घटरम्हा के प्रधान कृष्णचंद्र उर्फ केसी पांडेय सहित सभी आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस ने उनके कब्जे से एक अवैध 9 एमएम पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा और घटना में इस्तेमाल की गई तीन लग्जरी गाड़ियां (स्कॉर्पियो, क्रेटा और वेन्यू) बरामद की हैं। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि यह घटना 15 जून की रात को हुई थी। उतरावल गांव निवासी प्रधान प्रतिनिधि बीर बहादुर राय के मुर्गी फार्म पर तीन वाहनों से कुछ लोग पहुंचे। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। बीर बहादुर राय की तहरीर पर कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई

थी। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कृष्णचन्द पाण्डेय उर्फ केसी सहित कुल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में दीपक पाण्डेय, हनीपाल उर्फ गौरवपाल, दुर्गेश यादव, दुष्यन्त राय, तुषार गुप्ता, झिन्नू कन्नौजिया और देवेन्द्र प्रताप सिंह शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी कृष्णचन्द पाण्डेय ने करीब चार माह पहले बीर बहादुर राय से नौ लाख रुपये में एक क्रेटा कार खरीदी थी। बाद में वह वाहन एक अन्य मामले में सीज हो गया था। वाहन को कोर्ट से छुड़ाने में बीर बहादुर राय से सहयोग न मिलने के कारण दोनों पक्षों के बीच विवाद विवाद बढ़ गया। इसी रंजिश के चलते कृष्णचन्द पाण्डेय अपने साथियों के साथ मुर्गी फार्म पहुंचा और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी कृष्णचन्द पाण्डेय कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। इसके साथ दुष्यन्त राय और देवेन्द्र प्रताप सिंह का भी पहले से आपराधिक इतिहास है। इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, इन्द्रभूषण सिंह, अनिल कुमार यादव सहित कोतवाली खलीलाबाद पुलिस की टीम शामिल थी।

विकसित भारत संपर्क सम्मेलन

क्षेत्रीय महामंत्री संत विलास शिवहरे बोले- 12 साल में विकास-सुशासन के नए कीर्तिमान बने

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज के तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में 'विकसित भारत संपर्क सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति, आत्मनिर्भरता और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता कानपुर-बुंदेलखंड के क्षेत्रीय महामंत्री संत विलास शिवहरे ने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति, जनभागीदारी और अथक परिश्रम ने हर चुनौती को विकास के अवसर में बदल दिया है। विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सरकारी योजनाओं पर प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के अटूट विश्वास और संकल्प की गाथा है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि संकल्प से सिद्धि तक का मंत्र आज नए भारत के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन गया है। राज्य मंत्री कैलाश राजपूत ने राष्ट्र निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, छिबरामऊ विधायक अर्चना पाण्डेय, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्या, जिला महामंत्री शैलेन्द्र द्विवेदी, आरएस कठेरिया, यतेंद्र राजपूत, ब्लॉक प्रमुख अजय वर्मा, श्याम स्वरूप चतुर्वेदी, सौरभ पटेल और सुनीता राजपूत सहित पार्टी के कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विवाद : रामभद्राचार्य बोले- अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ होना चाहिए, लव और लैंड जिहाद से बचें

मथुरा, काशी और संभल लेकर रहेंगे, कोई समझौता नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में कथा व्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा- अयोध्या का गौरव लौट चुका है और अब मथुरा की बारी है। यदि अलीगढ़ की जनता स्वयं को रामभक्त मानती है तो अलीगढ़ का नाम बदलकर 'हरिगढ़' किया जाना चाहिए। "जहां-जहां हमारे पवित्र स्थल हैं, हम मथुरा, काशी और संभल भी लेकर रहेंगे।" ये कठमुल्ले भोली-भाली हिंदू लड़कियों को फंसाते हैं। फिर उन्हें काटकर उनके टुकड़े फ्रिज में रखते हैं। हमें इन लव जिहादों से बचना होगा। अब लैंड जिहाद भी ये लोग कर रहे हैं। अब भारत भूमि की एक इंच जमीन भी अवैध रूप से नहीं देंगे, चाहे कुछ

भी हो जाए। अकराबाद क्षेत्र के लधौआ गांव में आनंद एग्रो कैम चीनी मिल परिसर में रामकथा चल रही है। सोमवार को कथा का दूसरा दिन था। हर रोज शाम करीब छह बजे से कथा शुरू होती है। कथा के बीच में रामभद्राचार्य ने कहा- माताओं, बहनों और मित्रों को जागना होगा। हमारे यहां इस समय दो जिहाद चल रहे हैं। लव जिहाद और लैंड जिहाद। लव जिहाद से भोली-भाली हिन्दू लड़कियों को ये कठमुल्ले फंसा रहे हैं। भोली-भाली हिन्दू कन्याएं फंस जाती हैं बेचारी। अब ये कोई राजनैतिक मंच तो नहीं, ये तो व्यथा का मंच है। एक लड़की

"मथुरा, काशी-संभल लेकर रहेंगे मैं आपको भरोसा दिला रहा हूं, कृष्ण जन्मभूमि भी हम लेंगे। हमने प्रतिज्ञा कर ली है कि जब तक कृष्ण जन्मभूमि का मंदिर हमें नहीं मिलता, तब तक भगवान कृष्ण के किसी मंदिर में हम दर्शन करने नहीं जाएंगे। हम वृन्दावन गए थे, पर बांके बिहारी नहीं गए।

को फंसाया एक राक्षस एक कठमुल्ले ने। फिर उसको काट करके 34 टुकड़े करके फ्रिज में बंद करके रख दिया। साल भर के बाद निकली वो। वो श्रद्धा थी। लव जिहाद से हमें बचना है। और लैंड जिहाद से भी बचना है। जहां जो जमीन बेईमान खाली पाते हैं, वहीं मस्जिद बना देते हैं, वहीं कब्रगाह बना देते हैं। हम अवैध रूप से भारत भूमि की एक इंच जमीन भी नहीं देंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। आप देख रहे हैं पूरे भारत में कमल खिला है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिनका भारत के सबसे लंबे कार्यकाल के प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड हो गया है। उन्होंने नेहरू के भी रिकॉर्ड को पीछे कर दिया। तो राम जी के कारण ये सब हुआ। हमने आंदोलन चलाया, जेल गए मित्रों, नज़रबंद हुए और सभी जानते हैं मैंने राम जन्मभूमि में गवाही दी और गवाही रंग लाई। हमने विजय पा ली। राम जन्मभूमि का बढ़िया मंदिर बन गया। हमारी प्रतिज्ञा को भगवान को रखना पड़ेगा। हम कृष्ण जन्मभूमि का भी मंदिर लेंगे। वो जहाँ मस्जिद बनी है, वही मूल मंदिर जन्मभूमि है कृष्ण भगवान की। ये तो एक मंदिर झूठा बना दिया गया है। हम कृष्ण जन्मभूमि का भी मंदिर लेंगे, काशी विश्वनाथ भी लेंगे, संभल भी लेंगे। कोई समझौता नहीं करेंगे।

शिव-सती प्रसंग और राम के परमब्रह्म स्वरूप का वर्णन

उन्होंने याज्ञवल्क्य और भारद्वाज संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि दशरथ पुत्र भगवान राम ही परमब्रह्म हैं। उन्होंने कहा कि मन के तीन, वाणी के चार और शरीर के तीन पाप होते हैं। श्रीरामकथा इन दस प्रकार के पापों को दूर करने का माध्यम है।

सहारनपुर पुलिस रसोइयों ने वेतन वृद्धि की मांग की

कम आय और उत्पीड़न के खिलाफ SSP को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में पुलिस लाइन और विभिन्न थानों में कार्यरत प्राइवेट रसोइयों ने मंगलवार को अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने बढ़ती महंगाई के बीच कम वेतन में परिवार चलाने की मुश्किलों का हवाला देते हुए एसएसपी को एक शिकायती पत्र सौंपा। इस दौरान उन्होंने वेतन बढ़ाने समेत कई मांगों के समाधान की अपील की। रसोइयों ने शिकायती पत्र में बताया कि वे कई वर्षों से पुलिस विभाग में प्राइवेट कुक के रूप में ईमानदारी से सेवा दे रहे हैं। उन्हें वर्तमान में 10,800 रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है, जो कई साल पहले तय किया गया था। उनका तर्क है कि मौजूदा महंगाई के दौर में खाद्य सामग्री, गैस सिलेंडर, सब्जी, दाल, दूध, बच्चों की फीस,

दवाइयां और मकान किराए में भारी वृद्धि हुई है, जिससे इस वेतन में परिवार का खर्च चलाना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें वेतन समय पर नहीं मिलता। नियमानुसार वेतन महीने की शुरुआत में मिलना चाहिए,लेकिन भुगतान 15 से 20 तारीख तक किया जाता है। इस देरी के कारण उन्हें घरेलू जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आजाद समाज पार्टी के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सचिन देव के नेतृत्व में यह ज्ञापन सौंपा गया।

250 साल पुरानी मजार 30 मिनट में हटवाई

आगरा में बीच सड़क पर बनी थी, बुलडोजर से खोदकर दरगाह में शिफ्ट की गई

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बीच सड़क पर बनी करीब 250 साल पुरानी मजार को मंगलवार को प्रशासन ने हटवा दिया। करीब आधा घंटा में मजार को सड़क से पास स्थित एक दरगाह परिसर में शिफ्ट कर दिया गया। दरअसल, सड़क हादसों और यातायात बाधित होने की शिकायतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर यातायात रोक दिया गया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। आगरा कॉलेज के सामने एमजी रोड पर स्थित मजार को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस संबंध में दायर एक वाद पर जांच के बाद प्रशासन ने दोनों पक्षों से बातचीत की। सहमति बनने

पर मजार को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। आगरा के योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष और हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर ने 19 जनवरी 2026 को अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वाद दायर किया था। याचिका में सड़क के बीच स्थित दो मजारों को हटाने की मांग की गई थी। वाद में कहा गया था कि मजारों के कारण सड़क पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। साथ ही यहां कई सड़क हादसे भी हो चुके हैं। याचिकाकर्ता ने इसे जनहित का मामला बताते हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी।

जांच में एक मजार से यातायात प्रभावित होने की बात सामने आई

अदालती प्रक्रिया के बाद प्रशासन ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर मामले की जांच कराई।

जांच में पाया गया कि सड़क पर बनी एक मजार के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है और लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, उसके पास स्थित दूसरी मजार से किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने मजार समितियों के प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें कीं।

बातचीत के बाद संबंधित पक्षों के बीच मजार को दूसरी जगह स्थानांतरित करने पर सहमति बन गई।

250 साल पुरानी बताई जाती है मजार

इतिहासकार राजकिशोर राजे के अनुसार, यह मजार मुगल काल की है और इसे औरंगजेब के समय से जुड़ा माना जाता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह मजार औरंगजेब के धार्मिक गुरु की बताई जाती है। मजार करीब 250 साल पुरानी मानी जाती है और लंबे समय से इस क्षेत्र में स्थित थी।

बसपा पार्षद ने प्रशासन की कार्रवाई पर जताई आपत्ति

बसपा पार्षद सोहेल कुरेशी ने प्रशासन की कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, "प्रशासन मजार को शिफ्ट कर रहा है, जबकि मजार को इस तरह दूसरी जगह नहीं ले जाया जा सकता। इस पूरे मामले को लोग देख रहे हैं। यह कई वर्षों से यहां स्थित थी।

- मजार को शिफ्ट करने के लिए पहले बुलडोजर से उसके आसपास की सड़क की खुदाई की गई।
- लोगों ने मजार को उठाकर दरगाह परिसर में शिफ्ट कर दिया।

तंत्र-मंत्र में हुई थी बुजुर्ग की हत्या

रिश्तेदारों ने सोते समय सिर में मारी गोलियां, 4 आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में हुए राजन हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि दूसरी पत्नी के बेटे की सगाई में शामिल होने आए राजन की हत्या उसके ही रिश्तेदारों ने तंत्र-मंत्र और बलि की अंधविश्वासी सोच के चलते करवाई थी। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त देशी पिस्टल और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। एडीसीपी वैभव बांगर ने बताया कि राजन 20 जून को होने वाली अपने दूसरी पत्नी के बेटे की सगाई में शामिल होने वाराणसी आया था। उसकी पहली पत्नी मिर्जापुर के नारायणपुर में रहती है। हत्या की जांच में जुटी पुलिस और एसओजी टीम ने सबसे पहले परिजनों और करीबी लोगों

से पूछताछ की। इसी दौरान तंत्र-मंत्र और बलि से जुड़ी जानकारी सामने आई, जिसके बाद जांच की दिशा बदल गई। पुलिस ने बेनियाबाग निवासी विशाल भारतीय उर्फ जानू, कृष्णा बाल्मीकि, चुरामनपुर (लोहता) निवासी विकास विश्वकर्मा उर्फ सोनू तथा मरेठवा पोखरा (लोहता) निवासी सुजीत बाल्मीकि को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की साजिश और वारदात में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली।

फास्ट न्यूज

मुहर्रम को लेकर मऊ पुलिस अलर्ट

मऊ। मऊ में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। जिलेभर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। मुहर्रम पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

14 वर्षीय बालक बलदेव तीन वर्ष से लापता

मथुरा। थाना बलदेव क्षेत्र के ग्राम कमौरा निवासी 14 वर्षीय बालक बलदेव पुत्र सुन्दर सिंह वर्ष 2023 से लापता है। पुलिस द्वारा जारी सूचना के अनुसार बालक 24 जुलाई 2023 को दोपहर के समय घर से किताब लेने के लिए बलदेव बाजार जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। मामले में थाना बलदेव पर मु0अ0सं0 287/23, धारा 363 भादवि के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रभारी रवि भूषण शर्मा, थाना एएचटीयू मथुरा द्वारा की जा रही है।

रोजगार मेले में 262 युवाओं को मिला रोजगार

मऊ। मऊ जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा मंगलवार को सहादतपुरा स्थित कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी सीआर-3 प्राइवेट लिमिटेड (रोशनी इंटरप्राइजेज, मऊ) ने हिस्सा लिया। कंपनी ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया और चयन प्रक्रिया पूरी की।

20 की नोट के लिए चलती बस से कूदा युवक

शाहजहांपुर में पहिए के नीचे आया, हाथ कुचल कर लटक गया

- बस कंडक्टर सायरा बानो ने बताया कि बस रोकी ही जा रही थी, तभी युवक बस से कूद गया।
- हादसे के बाद युवक को एक हाथ और पैर के सहारे उठाकर स्ट्रेचर पर लिटाया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में एक युवक 20 रुपए का नोट पकड़ने के लिए मंगलवार सुबह 9 बजे चलती बस से कूद गया। वह बस के पिछले पहिए के नीचे आ गया। उसका कंधा और दाहिना हाथ बुरी तरह कुचल गया। ड्राइवर ने तत्काल ब्रेक लगाया। बस के नीचे आए सतीश (30) को उठाया गया, तो वह खून से लथपथ था। उसका हाथ कुचलकर लटक गया था। लोगों

ने उसे उठाकर सड़क किनारे बैठाया। बाद में उसे एंबुलेंस से सीएचसी भेजा गया, जहां से गंभीर हालत में राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उसकी हालत गंभीर है। हादसा जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर पुवायां थाना क्षेत्र में हुआ। बंडा थाना क्षेत्र के लुहीचिया गांव में रहने वाला सतीश शाहजहां-

> बस चालक हरजीत सिंह ने बताया- युवक का कंधा और दाहिना हाथ पिछले पहिए के नीचे आ गया। हादसे में सतीश का हाथ पूरी तरह कुचल गया। कंधे पर भी गंभीर चोट लगी। किसी तरह युवक को बस के नीचे से निकालकर बाहर लाया गया। एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई। 10 मिनट में पुलिस और एंबुलेंस पहुंच गई। घायल सतीश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुवायां भेजा गया।

पुर डिपो की रोडवेज बस से बंडा से शाहजहांपुर आ रहा था। बस हरजीत सिंह चला रहे थे, जबकि कंडक्टर सायरा बानो थीं। सायरा बानो ने बताया, 'सतीश का किराया 30 रुपए था। उसने 50

घायल सतीश को एंबुलेंस से सीएचसी पुवायां लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

रुपए का नोट दिया। मैंने टिकट काटकर दे दिया। छुट्टे नहीं होने की वजह से उससे कहा कि थोड़ी देर बाद पैसे ले लेना। करीब 15 मिनट बाद वह मेरे पास पैसे लेने आया। मैंने उसे 20 रुपए का नोट दिया। तभी खिड़की से 20 रुपए का नोट उड़कर बाहर चला गया। मैंने ड्राइवर से बस रोकने के लिए कहा, लेकिन बस रुकने से पहले ही सतीश गेट से नोट पकड़ने के लिए कूद पड़ा। इससे वह गिर गया और बस के नीचे आ गया।'

दहेज हत्या में पति-देवर दोषी करार

कोर्ट ने 10-10 साल कारावास की सजा सुनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में दहेज हत्या के एक मामले में जिला जज धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने मृतका शगुफ्ता के पति मुश्ताक और देवर इस्तियाक को दोषी ठहराते हुए 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, दोनों पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। फैसला सुनाए जाने के बाद दोनों दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, नोनहरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर अटवा निवासी जहिरूदीन ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अपनी बहन शगुफ्ता की शादी 2 नवंबर 2021 को नोनहरा निवासी मुश्ताक से की थी। शादी में

अपनी क्षमता के अनुसार 1 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवर, फ्रिज, कूलर, बेड और आलमारी दिए गए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शादी के करीब छह महीने बाद से ससुराल पक्ष ने 2 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। यह मांग पूरी न होने पर पति मुश्ताक, देवर इस्तियाक और परिवार के अन्य सदस्यों पर शगुफ्ता को लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगा।

देवरिया में सड़क हादसे में मजदूर की मौत

रिश्तेदार को छोड़कर लौट रहा था घर, वाहन लेकर फरार हुआ चालक

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। देवरिया जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार मजदूर की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के आठ बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह दुर्घटना बघौचघाट थाना क्षेत्र के कंचनपुर-बघौचघाट मार्ग पर मलसी-जैतपट्टी गांव के पास हुई। एक अज्ञात चारपहिया वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान तरकुलवा थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी 39 वर्षीय बबलू शाह पुत्र पहाड़ी शाह के रूप में हुई है। बबलू शाह बघौचघाट थाना क्षेत्र के बेलम्हां

बाजार में अपने रिश्तेदारों को छोड़कर देर रात बाइक से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बबलू शाह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। सूचना मिलने पर बघौचघाट पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरदेवा भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बबलू शाह अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे।

पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांग रही थी बहन, सिर और सीने में मारी थी 6 गोलियां

हत्यारे भाई को फांसी की सजा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में संपत्ति विवाद में सगी बहन की गोली मारकर हत्या करने वाले भाई को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। एडीजे-5 मृदुल दुबे की अदालत ने गवाहों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी ललित उर्फ निक्कू चौधरी को दोषी करार देते हुए यह फैसला सुनाया। घटना नवंबर 2022 में शाहगंज क्षेत्र में हुई थी। अविवाहित छोटी बहन भाई से प्रॉपर्टी में हिस्सा मांग रही थी। संपत्ति को लेकर झगड़ा के दौरान भाई ने तैश में आकर गोली मार दी थी। शाहगंज थाना क्षेत्र के जोगी पाड़ा गांव में यतेंद्र चौधरी का मकान था। यतेंद्र चौधरी के दो बेटे रूपेश चौधरी और ललित उर्फ निक्कू चौधरी थे। वहीं, उनकी दो बेटियां दीपा और सबसे छोटी पूनम थीं। दीपा की शादी हो

चुकी थी और वह अपने ससुराल में रहती थी। यतेंद्र और उनके बड़े बेटे रूपेश चौधरी की मौत हो चुकी थी। इसके बाद छोटी बेटी पूनम और रूपेश चौधरी की पत्नी नीलू चौधरी, ललित से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा मांग रही थीं। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। इस पर पूनम ने कहा कि यह उनका हक है। तुम दुकान किराये पर दे देते हो, लेकिन हमें कुछ नहीं देते। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़

गई। विवाद बढ़ने पर ललित ने तमंचा निकाल लिया और पूनम व नीलू पर ताबड़तोड़ 7 राउंड फायरिंग कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्य अदालत में पेश किए। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों को पर्याप्त मानते हुए ललित उर्फ निक्कू चौधरी को दोषी करार दिया। इसके बाद अपर जिला जज की अदालत ने उसे फांसी की सजा सुनाई।

कहासुनी के बाद 7 राउंड फायरिंग कर दी

26 नवंबर 2022 की सुबह इसी विवाद को लेकर ललित का नीलू और पूनम से झगड़ा हो गया। विवाद के दौरान नीलू चौधरी ने ललित की दुकान पर ताला लगा दिया। वहीं, पूनम चौधरी पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना रही थीं। तभी ललित उर्फ निक्कू वहां पहुंच गया और पूछने लगा कि दुकान पर ताला क्यों लगा रही हो।

बहन की मौके पर मौत, भाभी घायल

फायरिंग में पूनम चौधरी के सिर और सीने में 6 गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक गोली नीलू चौधरी के बाजू में लगी, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आरोपी ललित उर्फ निक्कू मौके से फरार हो गया। घायल नीलू चौधरी ने शाहगंज थाने में तहरीर देकर ललित के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था।

पृष्ठ 01 का शेष...

16 महीने बाद ...

समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी समेत कई वैश्विक नेता शामिल हो रहे हैं। एक तय एजेंडे पर बातचीत के लिए हर साल G7 समिट होती है, जिसका आयोजन G7 का अध्यक्ष देश करता है। दरअसल, G7 के सभी 7 देश बारी-बारी से इसकी अध्यक्षता करते हैं। इस साल फ्रांस अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में G7 समिट फ्रांस के एवियां शहर में होगी। इस समिट के एजेंडे में जियोपॉलिटिक्स क्राइसेस (यूक्रेन युद्ध, ईरान-इजराइल तनाव, गाजा, लेबनान और होर्मुज रूट की स्थिति, मध्य पूर्व की सुरक्षा चुनौतियां), वैश्विक आर्थिक सहयोग और असंतुलन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा G7 के सदस्य देशों के लीडर्स और ऑफिसर्स साल में कई बैठकें करते हैं, जिनमें कई समझौते होते हैं और दुनिया की बड़ी घटनाओं पर आधिकारिक बयान जारी किए जाते हैं। शुरुआत में G7 का एजेंडा आर्थिक चुनौतियों और क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों का हल निकालना था। बाद में राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी इसमें शामिल हो गए। वैश्विक मुद्दों पर G7 के फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। उदाहरण के लिए G7 ने 2002 में मलेरिया और एड्स से लड़ने के लिए ग्लोबल फंड बनाया। 1998 में वित्तीय संकट के दौरान इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों को आर्थिक मदद की। रूस-यूक्रेन जंग के दौरान रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन की मदद करने का फैसला किया। इन देशों में भारत के अलावा अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्किये और यूरोपीय संघ शामिल हैं। राजन कुमार के मुताबिक G20 में नई और बढ़ती हुई इकोनॉमी वाले देशों को भी शामिल किया गया है।

उद्धव ठाकरे की...

उन्होंने दोहराया कि शिवसेना (UBT) के सभी सांसद पार्टी के साथ हैं। UBT सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सांसद उद्धव ठाकरे के साथ हैं और टूट की खबरें गलत हैं। कृपाल तुमाने कौन हैं? महाराष्ट्र की राजनीति में ऐसा कोई बड़ा नाम नहीं है। राउत ने कहा- जब हमारा दिन आएगा, तो हम दिखाएंगे कि पार्टियां कैसे तोड़ी जाती हैं। चार दिन पहले उद्धव ठाकरे की बैठक में सभी सांसद शामिल हुए थे और उन्होंने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया था। कुछ नेताओं ने तो अपने परिजनों की कसम खाकर उद्धव ठाकरे के साथ रहने की बात कही थी। उद्धव ठाकरे ने रविवार को पार्टी सांसदों की बैठक बुलाई थी। लोकसभा के 9 सदस्यों में से केवल चार - अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और संजय पाटिल ने बैठक में फिजकली शामिल हुए थे जबकि ओमप्रकाश राजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर और संजय देशमुख ने ऑनलाइन भाग लिया। 20 जून 2022 को महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 में से 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ गए। तब उद्धव सीएम थे। राज्यपाल ने उन्हें फ्लोर टेस्ट को कहा। उद्धव सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट नहीं रोका तो उद्धव ने इस्तीफा दे दिया। 30 जून 2022 को शिंदे भाजपा के समर्थन से सीएम बन गए। फिर दोनों गुट एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने सुप्रीम कोर्ट गए। कोर्ट ने फैसला स्पीकर राहुल नार्वेकर पर छोड़ दिया। 10 जनवरी 2023 को स्पीकर ने कहा कि जब बगावत हुई, तब शिंदे गुट में 37 विधायक थे। इसलिए यही असली शिवसेना है। स्पीकर ने विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिकाएं खारिज कर दीं। इनकी सदस्यता भी रद्द नहीं की। इसी बीच, चुनाव आयोग ने शिवसेना का चुनाव चिह्न धनुष-बाण शिंदे गुट को दे दिया।

आरएसएस के ...

कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक, CBSE परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही है। इसके लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है। जयपुर की घटना के बाद नागपुर में CJP के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन में 2000 से ज्यादा युवा शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। 4 डीसीपी, 3 एसीपी, 45 सब इंस्पेक्टर और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर, 470 पुरुष और 170 महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। दो दंगा नियंत्रण प्लाटून (RCP) भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं। पुलिस कमिश्नर रविंद्रकुमार सिंगल ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जयपुर में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीपके को कंधों पर उठा रखा था। इसी बीच कुछ युवक भीड़ को चीरते हुए उनके पास पहुंचे, कॉलर पकड़कर थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तनाव बढ़ गया। गुस्साए CJP कार्यकर्ताओं ने हमलावरों को घेरकर पीट दिया, किसी तरह पुलिस ने हमलावरों को पकड़ा। पुलिस ने 5 लोगों रोहित शर्मा, राकेश गुर्जर, अजय शर्मा, कुलदीप सिंह शेखावत और निकेत को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों का कहना है कि वे दीपके के सोशल मीडिया पर दिए गए बयानों और CJP की कार्यशैली से नाराज थे। इस दौरान दीपके ने नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखवाया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। दीपके ने अपने ऊपर हुए हमले को लोकतंत्र पर हमला बताया।

ममता चुनावी ...

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित हुए थे। भाजपा ने 208 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था, जबकि तृणमूल कांग्रेस (TMC) को 80 सीटें मिली थीं। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। शुभेंदु अधिकारी ने 2021 में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को करीब 1,956 वोटों से हराया था। 17 जून 2021 को ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इसमें नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी की जीत को चुनौती दी। रिजल्ट के बाद टीएमसी ने रीकाउंटिंग की मांग की थी, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया था।भले ही G7 और G20 का एजेंडा एक जैसा हो, लेकिन इस समय G20 ज्यादा प्रभावी गुट है। 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी G7 को बहुत आउटडेटेड ग्रुप कहा था।

12 साल बाद...

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान काजल की यह कहानी सामने आई। काजल ने कुछ दिन पहले बांग्लादेश में रह रही अपनी बीमार मां का हालचाल जानने के लिए फोन किया था। पुलिस ने इस फोन कॉल को ट्रेस किया और जांच में पता चला कि वह भारत में अवैध रूप से रह रही थी। इसके बाद 2 जून की रात को आणंद की एलसीबी पुलिस ने काजल को गिरफ्तार कर लिया और उसे महिला गृह में भेजकर उसे वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पिछले 15 दिनों से अपनी मां के बिना संघर्ष कर रहे बच्चों और परेशान पति तरुण पटेल ने भारत सरकार से गुहार लगाई है। तरुण के अनुसार, काजल किसी आपराधिक इरादे से भारत नहीं आई थी, बल्कि अपने प्यार की तलाश में आई थी। उसने हिंदू धर्म अपना लिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए ये कठिन समय है। अगर उसे वहां वापस भेज दिया जाता है, तो उसका परिवार उसे स्वीकार नहीं करेगा और वहां के चरमपंथी उसे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। उसकी जान को बड़ा खतरा है। काजल के 8 वर्षीय बेटे ध्यान ने भी रोते हुए सरकार से अपील की है कि उसने 15 दिनों से अपनी मां का चेहरा नहीं देखा है और वह अपनी मां के बिना नहीं रह सकता। तरुण पटेल ने गृह मंत्री हर्ष संघवी और भारत सरकार से मानवीय आधार पर इस मामले पर गौर करने का अनुरोध किया है।

मैच के तुरंत बाद मेक्सिको जाना पड़ा, सुरक्षा जांच में भी परेशान किया जा रहा

हमें तुरंत अमेरिका छोड़ने को कहा गया : ईरानी फुटबॉल टीम

आदेश

■ वीजा प्रतिबंध के बाद भी बड़ी संख्या में ईरानी फैंस अपनी टीम को सपोर्ट करने आए।

■ न्यूजीलैंड से मैच के दौरान LA स्टेडियम के बाद अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन भी हुए।

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिका में फुटबॉल वर्ल्ड कप खेल रहे ईरान के हेड कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि टीम को मैच के तुरंत बाद अमेरिका छोड़कर मेक्सिको लौटने का आदेश दिया गया। इससे खिलाड़ियों की रिकवरी प्रभावित हुई।

घालेनोई ने बताया, 'हमारा प्लान कैलिफोर्निया में रात बिताने के बाद अगले दिन दोपहर में तिजुआना (मेक्सिको) स्थित बेस कैंप लौटने का था। लेकिन हमें मैच के बाद सभी को तुरंत निकलने को कहा गया। टीम को आराम करने तक का समय तक नहीं दिया गया। हमें मैच के तुरंत बाद लौटना पड़ा।' मंगलवार सुबह लॉस एंजिलिस में

ईरान का मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ। ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया था। सोफी स्टेडियम में मैच के दौरान ईरानी फैंस मौजूद रहे। हालांकि, स्टेडियम के बाहर ईरानी सरकार के विरोध में प्रदर्शन भी हुए। ईरानी फुटबॉल टीम की तैयारियां पहले से कई समस्याओं से घिरी रही है। अमेरिका ने ईरान फुटबॉल महासंघ के कुछ अधिकारियों, सहयोगी स्टाफ और मीडिया प्रतिनिधियों को वीजा नहीं दिए जाने के कारण टीम का सपोर्ट सिस्टम भी प्रभावित हुआ है। वीजा प्रतिबंध के बाद भी बड़ी संख्या में ईरानी फैंस अपनी टीम को सपोर्ट करने आए। ईरान ने अमेरिका में बेस कैंप बनाने के बजाय मेक्सिको के तिजुआना को अपना ठिकाना बनाया है। इससे हर अमेरिकी मैच के लिए अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ रही है।

कप्तान तारेमी बोले- हमारे लिए सब कुछ बेहद मुश्किल

मैच के बाद ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने ट्रैवल अरेंजमेंट्स पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि तिजुआना से लॉस एंजिल्स पहुंचने में टीम को करीब पांच घंटे लगे। जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह सफर काफी छोटा माना जाता है। सुरक्षा जांच और अन्य प्रक्रियाओं के कारण खिलाड़ियों को अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ी। कप्तान ने कहा- 'टीम को फीफा से ज्यादा सहयोग की उम्मीद थी। इस समय हमारे लिए सब कुछ बेहद मुश्किल हो गया है।'

■ न्यूजीलैंड से मैच के दौरान ईरान के कोच हेड आमिर घालेनोई।

> ईरान को अब ग्रुप स्टेज में बेल्जियम और मिस्र जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ के बाद टीम पर अगले दोनों मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन का दबाव बढ़ गया है।

श्रीलंका से हार के बाद इंडिया ए टीम में हुआ बड़ा बदलाव

गुजरात टाइटंस के इस गेंदबाज को मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में अपनी रफ्तार से चर्चा में आए तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को श्रीलंका में खेली जा रही ट्राई सीरीज के लिए इंडिया A टीम में शामिल किया गया है। 23 साल के इस तेज गेंदबाज को चोटिल युद्धवीर सिंह की जगह टीम में जगह मिली है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, अशोक मंगलवार सुबह कोलंबो के लिए उड़ान भरेंगे और फिर दांबुला में टीम से जुड़ेंगे। श्रीलंका में इंडिया A, श्रीलंका A और अफगानिस्तान A के बीच ट्राई-सीरीज खेली जा रही है। तिलक वर्मा की कप्तानी में इंडिया A को सोमवार को श्रीलंका के हाथों करीबी हार का सामना करना पड़ा। अब वे 17 जून को अफगानिस्तान A के खिलाफ एक अहम मुकाबला खेलेंगे। अशोक ने इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अपनी तेज रफ्तार से सबका ध्यान खींचा था। गुजरात टाइटंस के इस गेंदबाज ने 6 मैच में 6 विकेट चटकाए थे। गुजरात ने ऑक्शन में उन्हें 90 लाख रुपये में खरीदा था। अशोक की 150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करने और उसी एक्शन के साथ 115 किमी/घंटा की धीमी गेंद फेंकने की काबिलियत ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को काफी प्रभावित किया है। यह युवा तेज गेंदबाज अपनी जबरदस्त रफ्तार की वजह से पहली बार चर्चा में आया था। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा और 22 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का मारा

सुपर ओवर में भारत-ए की हार के बाद हुई बहस, कप्तान तिलक भी अंपायरों से भिड़े

दांबुला, एजेंसी

श्रीलंका-ए ने सोमवार को दांबुला में खेले गए ट्राई सीरीज के रोमांचक मुकाबले में भारत-ए को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ी विशेन हलंबागे से बहस हो गई और इसी दौरान उन्होंने हलंबागे को धक्का भी दे दिया। श्रीलंकाई विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

इससे पहले, सोमवार को मुकाबला टाई हो गया। भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 265 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए भी 50 ओवर में 265 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर श्रीलंका को जीत के लिए 2 रन चाहिए थे, लेकिन टीम सिर्फ 1 रन ही बना सकी। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका।

जब मैच टाई हुआ तब यह स्पष्ट नहीं था कि सुपर ओवर होगा या नहीं। अंपायर तर्क दे रहे थे कि काफी शाम हो चुकी है और आगे मुकाबला संभव नहीं होगा। इसके बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा की अंपायर से बहस हुई। फिर सुपर ओवर कराने का फैसला किया गया।

इसके बाद अगला विवाद सुपर ओवर में श्रीलंका की पारी की आखिरी गेंद पर हुआ। अरशद खान की फुलटॉस गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज कैच आउट हुए। अंपायर ने बल्लेबाज को आउट करार दे दिया और भारतीय फील्डर्स ग्राउंड से बाहर चले गए। इसके बाद रिप्ले देखने के बाद पता चला कि यह गेंद नो बॉल थी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी। इसके बाद भारतीय फील्डर्स को दोबारा बुलाया गया और आखिरी गेंद फिर से कराया गया।

40 साल के वोजिन्या ने 7 बचाव किए, सऊदी अरब ने उरुग्वे से ड्रॉ खेला

केप वर्डे ने 2010 चैंपियन स्पेन को ड्रॉ पर रोक दिया

अटलांटा, एजेंसी

FIFA वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रही केप वर्डे ने 2010 की चैंपियन स्पेन को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया है। ग्रुप-H के एक अन्य मुकाबले में सऊदी अरब ने 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे को अंक साझा करने पर विवश कर दिया। यह मैच 1-1 की बराबरी पर छूटा।

अटलांटा स्टेडियम में मंगलवार को ग्रुप-एच के पहले मैच में स्पेन का दबदबा रहा, लेकिन 2010 की वर्ल्ड चैंपियन स्पेन केप वर्डे के 40 साल के गोलकीपर वोजिन्या और मजबूत डिफेंस को भेद नहीं सकी। उसने 74% बॉल पोजेशन रखा और 27 शॉट लगाए, लेकिन गोल नहीं आया। दूसरी ओर फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में उरुग्वे ने गोल करने के 29 प्रयास किए। इनमें से 11 टारगेट पर थे। लेकिन, सऊदी अरब के गोलकीपर मोहम्मद अल-ओवैस ने 10 मौकों पर सफल बचाव किया और टीम के लिए एक अंक हासिल किया। इन मैचों के बाद उरुग्वे ग्रुप-एच की पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। सऊदी अरब दूसरे, स्पेन तीसरे और केप वर्डे चौथे स्थान पर है। इस ग्रुप का अगला मुकाबला स्पेन-उरुग्वे के बीच होगा। साथ ही केप वर्डे की टीम सऊदी अरब के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। स्पेन ने 27 शॉट लगाए, लेकिन एक भी गोल नहीं कर सकी। यह वर्ल्ड कप इतिहास में उसके सबसे निराशाजनक आक्रामक प्रदर्शनों में से एक रहा। दूसरे हाफ में स्पेन ने दबाव और बढ़ाया। 71वें मिनट में स्टार विंगर लामिन यामाल को मैदान पर उतारा गया। यामाल के आने से स्पेन के हमलों में तेजी आई, लेकिन केप वर्डे का डिफेंस अडिग रहा।

■ मैच खत्म होते ही केप वर्डे के खिलाड़ियों ने ड्रॉ की जीत जैसी खुशी मनाई।

वोजिन्या की दीवार नहीं तोड़ सकी स्पेन

स्पेन ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन केप वर्डे डिफेंडर्स लगातार उसके हमलों को रोकते रहे। 39वें मिनट में फेरान टोरेस गोल करने के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। रीबाउंड पर मिकेल ओयारजाबाल के हेडर को वोजिन्या ने शानदार अंदाज में बचा लिया। इसके बाद पहले हाफ के अंत में वोजिन्या ने टोरेस और आयमेरिक लापोर्टे के प्रयासों को भी नाकाम कर दिया।

मनोरंजन

सालभर पहले रिलीज हुआ था ये गीत, शाह रुख खान के कहने पर किया गाना

11 घंटे में बना था तमन्ना भाटिया का आइटम सॉन्ग

नई दिल्ली। बी टाउन की सबसे हॉट अदाकारा के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें तमन्ना भाटिया का नाम जरूर शामिल होता है। फिल्मी करियर में अपनी मूवीज के अलावा आइटम सॉन्ग को लेकर चर्चा में रहती हैं। सालभर पहले तमन्ना का एक ऐसा कल्ट आइटम सॉन्ग रिलीज किया गया था, जिसमें उन्होंने अपनी हॉटनेस से आग लगा दी थी। आपको ये जानकार हैरानी होगी कि तमन्ना भाटिया का आइटम सॉन्ग महज 11 घंटे में रेडी हुआ था। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गाने के बारे में जिक्र किया जा रहा है। तमन्ना बताती हैं कि इससे पहले शाह रुख खान के साथ मेरी एक छोटी मीटिंग हुई थी, जब मैंने उनके साथ एक विज्ञापन किया था।उसके बाद उन्होंने मुझे गफूर गाने के लिए फोन किया। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप इस गाने को करोगी? उनकी बात सुनकर मैंने सोचा कि उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए जो चीजें की हैं, वैसा शायद किसी दूसरे ने नहीं किया होगा। उनके कहने पर मैं गाना तो क्या बैकफ्लिप भी कर सकती थी। आगे फराह खान ने बताया कि वो पूरा गाना महज 11 घंटे में शूट हुआ था।

तमन्ना भाटिया का आइटम सॉन्ग

फिल्म स्त्री 2 में आज की रात व वेब सीरीज बैड्स ऑफ बालीवुड (The Bads Of Bollywood) के गाने गफूर (Ghafoor) में तमन्ना भाटिया की परफार्मेंस को खूब सराहा गया। इसके बारे में तमन्ना ने हाल ही में कोरियोग्राफर व डायरेक्टर फराह खान के शो पर चर्चा की।

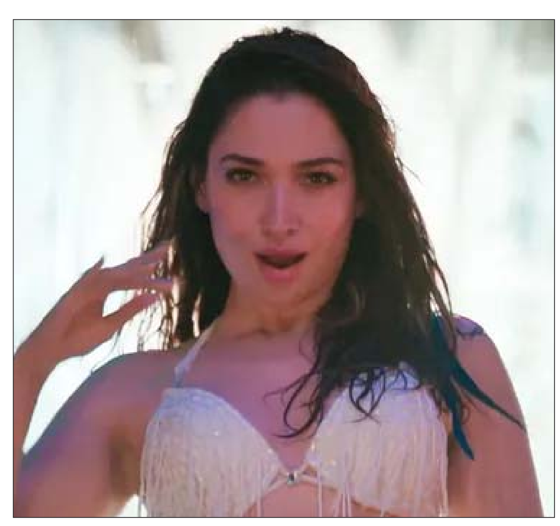

इस मूवी में नजर आएंगी तमन्ना

बात की जाए तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फिल्म के बारे में तो उसका नाम वन (Vvan) है, जोकि एक सुपर नेचुरल थ्रिलर है। इस मूवी में तमन्ना की जोड़ी अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के संग बनेगी। गौर किया जाए वन की रिलीज डेट की तरफ तो ये फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

बचपन के किस्से सुनाते हुए इमोशनल हुए महेश भट्ट

बीमार मां के बालों में सजाए थे जुगनू

नई दिल्ली, एजेंसी

सीनियर फिल्ममेकर और लेखक महेश भट्ट ने मुंबई में आयोजित कार्यक्रम 'इन सर्च ऑफ ट्रुथ' में जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर बात की। वर्सोवा के आरडीएक्स स्टूडियो में स्क्रिप्ट राइटर और डायरेक्टर सुह्ता दास के साथ हुए इस संवाद में उन्होंने अपने बचपन, करियर के संघर्षों और रिश्तों पर खुलकर चर्चा की।

महेश भट्ट ने कहा कि लोग अक्सर अपनी जिंदगी को भविष्य के लिए टालते रहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि जीवन इसी पल और इसी सांस में है। इस कार्यक्रम में फिल्म निर्माण के अलावा मानसिक स्वास्थ्य और बच्चों के पालन-पोषण पर भी विचार साझा किए गए।

भट्ट ने अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए डायरेक्टर राज खोसला की एक बात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राज खोसला ने उनसे कहा था, ₹शून्य से शुरुआत करना एक बेहतरीन आंकड़ा है।₹ महेश भट्ट के मुताबिक, शून्य से शुरुआत करने में डरने की कोई बात नहीं है, बल्कि इस पर गर्व होना चाहिए क्योंकि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत यहीं से होती है।

कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म में हुई नई एक्ट्रेस की एंट्री

पहली बार पर्दे पर फरमाएंगी रोमांस

नई दिल्ली। प्यार का पंचनामा और भूल भुलैया 2 जैसी फिल्मों के जरिए फैंस का दिल जीतने वाले अभिनेता कार्तिक आर्यन का नाम उनकी कई अपकमिंग मूवीज को लेकर चर्चा में बना हुआ है। अब खबर आ रही है कि कार्तिक की एक नई फिल्म का डायरेक्शन लव रंजन कर रहे हैं।

कार्तिक और लव की इस फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी है। इस बीच बी टाउन इंडस्ट्री की एक पॉपुलर एक्ट्रेस का नाम इस रेस में शामिल है। आइए जानते हैं कि वह कौन सी अदाकारा है।

इन दिनों अभिनेत्री शरवरी वाघ (Sharvari Wagh) के सितारे बुलंदी पर चल रहे हैं। एक तरफ वह अपनी हालिया प्रदर्शित फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं तो दूसरी तरफ अगले महीने उनकी फिल्म अल्फा (Alpha) भी प्रदर्शन की कतार में है। सूरज बड़जात्या निर्देशित और आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म ये प्रेम मोल लिया भी इसी साल प्रदर्शित होगी।

इस बीच खबरें हैं कि अब वह कार्तिक आर्यन के साथ भी फिल्म करने जा रही हैं। दरअसल, कार्तिक जल्द ही लव रंजन के निर्देशन में बन रही रोमांटिक कामेडी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

इस फिल्म की नायिका की भूमिका के लिए लव ने शरवरी से संपर्क किया है। शरवरी ने भी इस फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है। फिलहाल लव इस फिल्म की पटकथा पर काम कर रहे हैं। उनकी योजना दिसंबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है। पटकथा पूरी होने के बाद वह कार्तिक और शरवरी को पूरी पटकथा सुनाएंगे।

संचिता उगले सुसाइड केस के बाद एक्ट्रेस आंचल खुराना ने टीवी इंडस्ट्री पर उठाए सवाल

'किसी के साथ सोओगे नहीं तो रिप्लेस कर देंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी

22 साल की टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले के कथित सुसाइड मामले के बाद एक्ट्रेस आंचल खुराना ने टीवी इंडस्ट्री पर सवाल उठाए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, ₹एक एक्टर ने सुसाइड कर लिया। चैनल को टीआरपी चाहिए, प्रोड्यूसर को बजट बचाना है और दर्शकों को मनोरंजन चाहिए। लेकिन इसके पीछे क्या आपने कभी सोचा है कि एक एक्टर किन हालातों से गुजरता है?

एक्ट्रेस ने आगे कहा, एक छोटी सी बात पर रिप्लेसमेंट, किसी के साथ सोओगे नहीं तो रिप्लेसमेंट, किसी से बहस कर लोगे तो रिप्लेसमेंट, सेल्फ-रिस्पेक्ट बचाओगे तो रिप्लेसमेंट। संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। रविवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी बहन अंजली घर से बाहर गई थी। इसी दौरान संचिता ने अपने बेडरूम के सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली।

■ आंचल खुराना एमटीवी रोडीज सीजन 8 और डेटिंग शो 'मुझसे शादी करोगे' की विनर थीं।

चैनल को सिर्फ टीआरपी की चिंता है: आंचल

आंचल खुराना ने यह भी कहा कि जहां तक चैनल और प्रोड्यूसर्स की बात है, वे सबसे स्वार्थी लोग हैं। उन्हें अपने मुनाफे और फायदे से ऊपर कुछ दिखाई नहीं देता।

यकीन मानिए, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। अगर आपका ऑडिशन अच्छा है, आप एक अच्छे परफॉर्मर हैं, तब भी वे आपको सिर्फ 1000 रुपए के लिए रिजेक्ट कर देंगे। 1000 रुपए के लिए। या फिर आप किसी को लाइन नहीं दे रहे हैं। आप किसी के साथ कुछ भी करने के लिए तैयार नहीं हैं। वे आपको रिप्लेस कर देंगे। उनके लिए यह बहुत आसान है।

मुश्किल समय में परिवार का सहारा लेने को कहा

वीडियो में आंचल ने कलाकारों से कहा कि जब परिस्थितियां बेहद कठिन लगें तो अपने परिवार और घर का सहारा लेना चाहिए। आंचल के अनुसार, वह खुद भी डिप्रेशन और स्ट्रेस के दौर से गुजर चुकी हैं और ऐसे समय में काम से ज्यादा अपनों का साथ अहम होता है। टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से मशहूर हुईं एक्ट्रेस संचिता उगले ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई। मुंबई पुलिस मीडिया को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला।

लुटेरों ने घूमने आए परिवार से गहने लूटे

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की मौत

वारदात

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची हानिया अहमद की पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई। हानिया अपने परिवार के साथ पाकिस्तान घूमने आई थी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के केनडेल इलाके का यह परिवार पंजाब के चकवाल शहर में अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। बुधवार रात वे किराये की कार से सफर कर रहे थे, तभी कुछ बदमाशों ने उनके गहने लूट लिए। बताया गया है कि मोटरसाइकिल पर सवार दो लुटेरे वारदात के बाद भाग रहे थे। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी की नजर उन पर पड़ गई। लुटेरे मौके से फरार हो गए और परिवार की किराये की कार भी वहां से आगे बढ़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, यह परिवार हाल ही में मक्का की धार्मिक यात्रा (हज/उमरा) पूरी करके पाकिस्तान पहुंचा था। पुलिस ने गोली चलाने वाले अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना की जांच के लिए एक संयुक्त जांच टीम (जॉइंट इन्वेस्टिगेशन टीम) भी बनाई गई है। पुलिस का कहना है कि लूटपाट में शामिल दो संदिग्ध लोगों को बाद में एक अलग मुठभेड़ में मार गिराया गया। इस घटना के बाद पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों में लोगों में नाराजगी है। परिवार ऑस्ट्रेलिया में रहता था। पाकिस्तान के सीनियर पुलिस अधिकारियों ने इसे गलत पहचान की वजह से हुई एक दुखद घटना बताया है और कहा है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के जरिए परिवार को न्याय दिलाया जाएगा।

पुलिस ने डकैत समझकर गोली मारी

पुलिस बोली- लुटेरों ने पहले गोली चलाई, पिता ने नकारा

पंजाब पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध लुटेरों ने एक पुलिस अधिकारी पर गोली चलाई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। हालांकि हानिया के पिता ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि पुलिस ने ही सबसे पहले गोली चलाई थी। इस घटना पर बयान देते हुए, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। जांच पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि सबसे पहले परिवार और फिर बाकी लोगों को भी सच्चाई पता चल सके। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि वह मृत बच्ची के परिवार और घायल ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को हर संभव कांसुलर सहायता उपलब्ध करा रहा है। मंत्रालय ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की।

हानिया अहमद अपने पिता आदिल अहमद के साथ।

> पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने गलती से परिवार की कार को लुटेरों की गाड़ी समझ लिया और उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से 9 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और बड़े भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। बच्ची की मां सुरक्षित है।

यूएस-ईरान समझौते से क्रूड ऑयल के दाम गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी

4.8% घटकर 83 डॉलर पर आया दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए समझौता हो गया है। इस खबर के बाद सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी देखी जा रही है और क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 4.8% गिरकर 83.18 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। कुछ हफ्ते पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास थी। युद्ध शुरू होने से पहले इसकी कीमत 70 डॉलर के करीब थी। ग्लोबल मार्केट में समझौते पर सहमति का सीधा असर अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट पर दिखा। सोमवार को डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज करीब 650 अंक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही S&P 500 इंडेक्स 1.5% और नैस्डैक कंपोजिट 2.3% ऊपर चढ़ गया। ईंधन की कीमतों में गिरावट की खबर से उन कंपनियों के शेयरों में तुरंत उछाल आया जिनका फ्यूल बिल बहुत ज्यादा होता है। यूनाइटेड एयरलाइंस के शेयर 5.2% ऊपर चढ़ गए। अमेरिकन एयरलाइंस में 7% की तेजी आई। इसके अलावा क्रूज ऑपरेटर कंपनी कार्निवल के शेयर भी 5.7% मजबूत हुए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भी जबरदस्त लिफ्ट देखने को मिली है।

फास्ट न्यूज

'पाकिस्तान भरोसे लायक नहीं, तीन बार यूएस को दे चुका धोखा'

वॉशिंगटन। अमेरिकी विश्लेषक माइकल रुबिन ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी कूटनीतिक प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा है कि ईरान संकट के समाधान के लिए, पाकिस्तान पर भरोसा करना, ऐसा ही है जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की समस्या सुलझाने के लिए फासीवादी इटली पर निर्भर रहना।

पीएम बोले- ब्रातिस्लावा में बनारस का कनेक्शन! कलाकारों की सराहना कर कही खास बात

ब्रातिस्लावा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया की अपनी दो दिनों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। साल 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा था। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, शिक्षा और रोजगार जैसे कई अहम क्षेत्रों में बड़े समझौते हुए। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को अब 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा दिया है।

समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली हैं और अमेरिका अपने कोई भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता केवल युद्ध की पूर्व यथास्थिति की बहाली है। अगले 60 दिनों में होने वाली बातचीत तय करेगी कि अमेरिका को इस युद्ध और तबाही से कुछ हासिल होगा भी या नहीं।

चांदी 4,421 गिरकर 2.47 लाख पर आई

सोना 552 सस्ता होकर 1.50 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में 16 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 4,421 रुपए गिरकर 2.47 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.51 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 552 रुपए गिरकर 1.50 लाख रुपए पर आ गया है।

हालांकि इस साल सोने-चांदी की कीमत बढ़ी है। सोना-चांदी 2026 में अब तक 17 हजार रुपए महंगे हो चुके हैं। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.47 लाख रुपए पर है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

8 लोगों की मौत, अधिकारी बोले- कंट्रोल सिस्टम या इंजन में खराबी की आशंका

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बी-52 बॉम्बर क्रैश

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर सोमवार सुबह B-52 बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी 8 लोगों के मारे गए हैं।

अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान नियमित परीक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11.20 बजे टेकऑफ के तुरंत बाद विमान नीचे गिरा और उसमें आग लग गई।

मृतकों में वायुसेना के जवान और विमान परीक्षण से जुड़े विशेषज्ञ शामिल थे। फिलहाल दुर्घटना की वजह साफ नहीं है। अनुमान है कि विमान का कंट्रोल सिस्टम, इंजन या टेस्टिंग किए जा रहे किसी उपकरण में खराबी आई होगी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि क्या विमान में हथियार मौजूद थे। हादसे के बाद एयरफील्ड को बंद कर दिया गया है और आने वाले विमानों को दूसरे एयरबेस की ओर भेजा जा रहा है।

विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेटी ने कहा कि विमान जिस तरह उड़ान भरने के तुरंत बाद गिरा, उससे शुरुआती तौर पर फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम में खराबी की आशंका लगती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

B-52 स्ट्रेटोफोर्ट्रेस लंबी दूरी का बॉम्बर विमान है, जो 1955 से सेवा में है। यह पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल वियतनाम से लेकर ईरान से जुड़े सैन्य अभियानों तक में किया गया है।

गुजेटी के मुताबिक, यह मेंटेनेंस के बाद नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी, इंजन की गंभीर खराबी या किसी परीक्षण उपकरण के फेल होने का मामला भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षण उड़ानें सामान्य उड़ानों की तुलना में अधिक जोखिम भरी होती हैं।

एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस लॉस एंजिलिस से करीब 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। यह अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र है। यहां नए विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और उपकरणों का परीक्षण किया जाता है। अमेरिका में 21 मई को दो EA-18G ग्रोलर फाइटर जेट क्रैश हो गए थे। हादसा इडाहो स्थित माउंटेन होम एयरफोर्स बेस पर एयर शो के दौरान हुआ। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक दोनों विमानों में सवार सभी 4 क्रू मेंबर हादसे से कुछ सेकेंड पहले सुरक्षित बाहर निकल गए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में भी चार पैराशूट दिखे हैं।

मोदी आज पहुंचेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति से 16 महीने बाद कल मिलेंगे, ट्रेड डील पर बात संभव

जी7 समिट में शामिल होने ट्रम्प-मेलोनी फ्रांस पहुंचे

नई दिल्ली/एवियन, एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को एवियन शहर में 52वें G7 समिट का औपचारिक उद्घाटन किया। 3 दिन तक चलने वाले इस समिट में सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पहुंचे।

इसके बाद जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, कनाडाई पीएम मार्क कार्नी समेत और कई विश्वस्तरीय नेता पहुंचे। ये सभी नेता अमेरिका-ईरान पीस डील के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े बड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

पीएम मोदी भी G7 समिट में शामिल होने के लिए स्लोवाकिया से फ्रांस रवाना हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बुधवार को उनकी मुलाकात राष्ट्रपति ट्रम्प से हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो 16 महीने बाद दोनों नेताओं की मुलाकात होगी। दोनों नेता आखिरी बार फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में मिले थे। फ्रांस ने समिट में G7 देशों के अलावा कई अन्य देशों के नेताओं को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया है। इनमें शामिल हैं:

फ्रांस पहुंचने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से द्विपक्षीय बैठक में मुलाकात की।

जी7 समिट में इसके सदस्य देशों कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के नेता शामिल होंगे। इसके अलावा यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे।

भारत जी7 में गेस्ट नेशन, पीएम 7वीं बार शामिल होंगे

भारत G7 का सदस्य नहीं है, लेकिन दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था और महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिका के कारण उसे अक्सर विशेष आमंत्रित देश (गेस्ट नेशन) के रूप में बुलाया जाता है। आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री को समिट का न्यौता मिलता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2005 से 2013 के बीच पांच बार G7 (पहले G8) समिट में हिस्सा लिया था। PM मोदी को पहली बार 2019 में फ्रांस के बियारिट्ज में आयोजित G7 समिट में आमंत्रित किया गया था। 2020 में अमेरिका को मेजबानी करनी थी, लेकिन उसने तब समिट रद्द कर दी। इसके बाद 2021 में ब्रिटेन की मेजबानी में आयोजित सम्मेलन में PM मोदी वर्चुअली शामिल हुए। इसके अलावा मोदी 2022 में जर्मनी, 2023 में जापान, 2024 में इटली और 2025 में कनाडा में आयोजित G7 समिट में शामिल हुए।

G7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की 'मॉडर्न इकोनॉमी' वाला देश कहा जाता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं। इसकी शुरुआत 1975 में G6 के रूप में हुई थी। 1976 में कनाडा के जुड़ने के बाद यह G7 बन गया। 1998 में रूस को शामिल कर इसका नाम G8 कर दिया गया, लेकिन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर रूस के कब्जे के बाद उसे समूह से बाहर कर दिया गया। इसके बाद यह फिर से G7 कहलाने लगा।

भारत-बांग्लादेश में नया कूटनीतिक तनाव

ढाका ने भारतीय राजनयिक को किया तलब

ढाका, एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच एक बार फिर कूटनीतिक विवाद गरमा गया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक वरिष्ठ सलाहकार के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर हुए व्यवहार को लेकर बांग्लादेश सरकार ने कड़ा विरोध जताया है।

अब इस मामले में ढाका में तैनात भारत के उप-उच्चायुक्त पवन बधे को सोमवार देर रात बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय द्वारा तलब किया गया और औपचारिक रूप से अपनी नाराजगी दर्ज कराई गई। इसके साथ ही बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इस घटना को 'अवांछित और दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है। अधिकारियों के मुताबिक, बांग्लादेश सरकार के रणनीति सलाहकार जाहिद उर रहमान एक कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए थे। जैसे ही वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, भारतीय अधिकारियों ने उन्हें वहीं रोक लिया।

इसके बाद जाहिद उर रहमान को एयरपोर्ट पर ही रोककर कई घंटों तक पूछताछ की गई। लंबी पूछताछ के बाद ही उन्हें एयरपोर्ट से बाहर जाने और अपने काम पर आगे बढ़ने की इजाजत दी गई। हालांकि इस घटना पर अभी तक भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के रिश्ते बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं।

भूकंप के झटकों से हिला इंडोनेशिया

दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

जकार्ता, एजेंसी

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, मंगलवार सुबह इंडोनेशिया में 6.8 तीव्रता का तेज भूकंप आया। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह भूकंप इंडोनेशिया में सुबह 08:57 बजे 45 किलोमीटर की गहराई पर आया। पोस्ट में बताया गया, भूकंप की तीव्रता: 6.8, समय: 16/06/2026 08:57:49 IST, अक्षांश: 1.073 S, देशांतर: 120.263 E, गहराई: 45 किमी, स्थान: इंडोनेशिया। स्थानीय मीडिया संस्थान 'जकार्ता ग्लोब' ने खबर दी है कि मंगलवार को पालू और सेंट्रल सुलावेसी के कुछ हिस्सों में भूकंप आने के बाद लोगों ने अपने घर खाली कर दिए। हालात पर नजर रखने वाले स्थानीय लोगों और अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया कि पालू, सिगी, डोंगाला और टोजो उना-उना इलाकों में जोरदार झटके महसूस किए गए। जकार्ता ग्लोब के अनुसार, संभावित आफ्टरशॉक या सुनामी के खतरे को देखते हुए एहतियात के तौर पर लोग तटीय इलाकों से दूर चले गए। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने या ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है, लेकिन बताया गया है कि अधिकारी प्रभावित इलाकों में भूकंप के असर का आकलन कर रहे हैं।

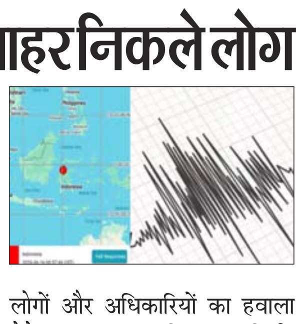

जांच: पीएम के सलाहकार को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके जाने से नाराज, पूछताछ हुई तो लौटे गए थे

बांग्लादेश ने भारतीय राजनयिक को तलब किया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार डॉ. जाहेद उर रहमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके जाने के मामले में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया है। ढाका ने इस घटना पर असंतोष जताते हुए, भारत से जवाब मांगा है।

डॉ. जाहेद उर रहमान इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA) की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें करीब दो घंटे तक रोक रखा और पूछताछ की।

बाद में उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने अपना पासपोर्ट वापस मांगा और भारत में आने से इनकार कर दिया। इसके बाद वह कोलंबो के रास्ते सोमवार को ढाका लौट गए।

डॉ. जाहेद का नाम भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की एक निगरानी सूची (वॉचलिस्ट) में था, जिसके कारण एयरपोर्ट उनकी जांच की गई।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को ही नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग ने भारत के विदेश मंत्रालय को आधिकारिक रूप से सूचित कर दिया था कि डॉ. जाहेद IORA बैठक में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हमीदुल्लाह ने भी भारतीय अधिकारियों से इस यात्रा को लेकर बात की थी। इसी वजह से ढाका में कई वरिष्ठ अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम को रहस्यमय बता रहे हैं। उनका कहना है कि पहले से आधिकारिक जानकारी देने के बावजूद एयरपोर्ट पर ऐसी स्थिति कैसे बनी, यह समझ से बाहर है।

अधिकारी बोले- जाहेद के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया

वहीं कई सूत्रों ने यह भी कहा कि भारतीय अधिकारियों ने डॉ. जाहेद के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया। उनका मानना है कि यात्रा से जुड़ी समन्वय और संचार की कमी इस स्थिति की एक वजह हो सकती है। हालांकि अब तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

ढाका में सरकारी सूत्रों का कहना है कि पूरे मामले की समीक्षा की जा रही है और तथ्य सामने आने के बाद आगे का फैसला किया जाएगा। फिलहाल नई दिल्ली की ओर से आधिकारिक सफाई का इंतजार है।

दावा- जाहेद का नाम सुरक्षा एजेंसियों की वॉचलिस्ट में था

डॉ. जाहेद के करीबी लोगों का दावा है कि उनका नाम भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की एक निगरानी सूची (वॉचलिस्ट) में था, जिसके कारण उनकी अतिरिक्त जांच की गई। उनका आरोप है कि भारत विरोधी सामग्री बनाने या प्रसारित करने के आरोपों की वजह से उनका नाम इस सूची में डाला गया था। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने इन दावों की न पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० नं० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा
समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676